शिव अमंत्रण
सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवाओं का दर्पण
RNI:RAJHIN/2013/53539
Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2021-23
Licensed to Post without pre-payment
No. RJ/WR/WPP/18/2021
Posted at Shantivan P.O. Dt. 17 to 20 of Each Month
वर्ष-10, अंक-07, हिन्दी (मासिक), जुलाई 2023, पृष्ठ 16, मूल्य- 12:50

16

अध्यात्मिक शिक्षा एक संस्कार है जो परिवार की...

नशामुक्त भारत अभियान : स्कूल-कॉलेज से लेकर सरकारी कार्यालय, फैक्ट्रियों में लोगों को करा रहे प्रतिज्ञाएं

राजयोग के राज को जान हजारों लोगों ने नशे को कहा अलविदा

नशामुक्त भारत और स्वर्णिम भारत। ये सपना जरूर लगता है लेकिन असंभव नहीं। इसी असंभव के विरुद्ध राजयोगियों ने बिगुल बजा दिया है। लाखों लोगों ने कमर कस ली है। सपना है मेरा भारत नशामुक्त हो। आंखों में स्वर्णिम भारत की चमक लिए हजारों राजयोगी युवा पूरे उमंग-उत्साह के साथ जुट गए हैं। लोगों को नशामुक्ति की प्रतिज्ञा कराकर खुशहाल जीवन जीने का मंत्र सिखा रहे हैं।

आबू रोड/राजस्थान।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा चलाया जा रहा नशामुक्त भारत अभियान जन क्रांति बन गया है। अभियान को लेकर देशभर में उत्साह चरम पर है। ब्रह्माकुमार भाई-बहनें पूरे समर्पित भाव से लोगों को नशे के चंगुल से छुड़ाने के लिए जुटे हैं। स्कूल-कॉलेजों में विद्यार्थियों को इस अभिशाप से मुक्त रहने का संकल्प कराया जा रहा है तो सार्वजनिक स्थानों पर प्रदर्शनी से नशा छोड़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। तीन माह में देशभर में रिकार्ड 1660 कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनसे पांच लाख लोगों को संदेश देकर 399185 लोगों को नशामुक्ति की प्रतिज्ञाएं कराईं गईं। देशभर में सबसे ज्यादा हरियाणा में 216 और मध्यप्रदेश में 214 कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। अपराध का एक बड़ा कारण नशा भी है। ऐसे में जेल में भी ब्रह्माकुमार भाई-बहनें जाकर कैदी-बंदियों को जेल से बाहर आने पर नशे से दूर रहने का संकल्प करा रहे हैं। उन्हें राजयोग मेडिटेशन का प्रशिक्षण देकर अध्यात्मिक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

तीन साल तक देशभर में चलाया जाएगा अभियान

बता दें कि भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग और ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मेडिकल विंग के बीच तीन साल के लिए एमओयू साइन किया गया है। इसके तहत देशभर में राष्ट्रव्यापी अभियान चलाकर दस करोड़ लोगों को नशामुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान के तहत सेमिनार, मोटिवेशनल वर्कशॉप, रैली, प्रदर्शनी, नुक्कड़ नाटक के जरिए जागरूक किया जा रहा है। इसके अलावा मेडिकल विंग द्वारा 35 साल से नशामुक्ति अभियान चलाया जा रहा है। आज लाखों लोग नशामुक्त होकर अध्यात्मिक जीवनशैली के साथ जी रहे हैं।

काउंसलिंग भी कर रहे

नशे की गिरफ्त में फंसे लोगों की ब्रह्माकुमार भाई-बहनों द्वारा काउंसलिंग की जा रही है। राजयोग मेडिटेशन की विधि सिखाकर लोगों को आत्मबल बढ़ाने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है। नशे कैसे व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर बनाकर सामाजिक ख्याति को खत्म कर देता है आदि बातों के जरिए लोगों को सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए मोटिवेट किया जा रहा है।

90 दिन में 1660 कार्यक्रम

399185 लोगों को दिलाया नशामुक्ति का संकल्प

RAJYOGA EDUCATION & RESEARCH FOUNDATION
MEDICAL WING
HEALTH • HAPPINESS • PROSPERITY

05 लाख लोगों को दिया संदेश

26 राज्यों में चल रहा अभियान

582 नशामुक्ति अभियान चलाए

82 स्थानों से निकाली गई रैली

76 नशामुक्ति प्रदर्शनी लगाई

50 कॉलेजों में विद्यार्थियों को कराई प्रतिज्ञा

30 जेलों में बंदियों को कराया संकल्प

28 सेमीनार से दिया संदेश

19 सरकारी कार्यालयों में कार्यक्रम

12 हॉस्पिटल में भी हुआ नशामुक्ति के आयोजन

रांची (झारखंड)। ब्रह्माकुमारीज़ के रांची सेवाकेंद्र से नशामुक्त भारत अभियान की शुरुआत की गई। अभियान का शुभारंभ झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजीत कुमार सिन्हा, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. तपन कुमार शांडिल्य, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. ओंकार नाथ सिंह, सेवाकेंद्र निर्देशिका बीके निर्मला दीदी ने शिव ध्वज दिखाकर और ब्रह्माकुमारी बहनों को कलश देकर किया। अभियान के तहत शहर व गांवों में लोगों को नशामुक्ति का संकल्प कराया जा रहा है।

नशापान नहीं अध्यात्मिक पान करने की जरूरत है

भगवान हमें इस दुनिया में जिस काम के लिए भेजा है उसे करना होगा, नशा करेंगे तो आधे में ही हमारा जीवन चला जाएगा। नशापान नहीं बल्कि अध्यात्मिक पान करने की जरूरत है। दृढ़ संकल्प और अध्यात्मिकता से इसे हराया जा सकता है। नशामुक्ति के पहले हमें लोगों के मन को जागरूक करना होगा।

- द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति

ब्रह्माकुमारीज़ का बहुत ही सराहनीय प्रयास

सामूहिक प्रयासों और संगठित होकर नशे की लत को खत्म किया जा सकता है और समाज में आवश्यक सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। नशामुक्ति अभियान के माध्यम से समाज में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा जागरूकता लाई जा रही है जो सराहनीय कदम है।

- सीपी राधाकृष्णन, राज्यपाल, झारखंड

शख्सियत....

महामंडेलश्वर ज्ञानस्वरूपानंद अक्रिय

महाराज से विशेष बातचीत

सनातन धर्म को आगे बढ़ा रही है ब्रह्माकुमारीज़ संस्था

आबू रोड/राजस्थान।

हमारा जो वैदिक मूल है उसी को ब्रह्माकुमारीज़ में प्रोत्साहित किया जाता है। क्योंकि शिव सदा निराकार हैं। शिव की महिमा को ही हमारे प्रजापिता ब्रह्मा बाबा ने बताई है। उसी को आगे बताते हुए ब्रह्माकुमारी बहनें सेवा कर रही हैं। ब्रह्माकुमारीज़ का सनातन का ही काम है। संस्था द्वारा ज्ञान देकर लोगों के जीवन से कुरुतियों और द्वंद से बाहर निकाला जा रहा है। ढपोसले से बाहर निकाला गया है।

यह बात शिव आमंत्रण से विशेष बातचीत में जोधपुर से पधारे महामंडेलश्वर गौऋषि स्वामी ज्ञानस्वरूपानंद अक्रिय महाराज ने कही। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मैंने यहां जो ज्ञान समझा है उसमें मूल वैदिक धर्म की ही बात कही गई है। जैसे वैदिक में भी आहार-प्रत्याहार, धारणा और ध्यान, ये हमारी समाधि के अंग हैं। यही पहले पंतजली ऋषि ने बताए हैं। इन्हीं बातों को यहां बताया जा रहा है कि जैसा हमारा चिंतन-मनन होगा, विद्यासन होगा, वैसे हमारे शरीर के अंदर प्रक्रिया होगी। यदि हमारे अंदर अध्यात्मिक चिंतन है तो शरीर में किसी तरह की बीमारी नहीं आ सकती है। बीमारी पैदा होने का कारण है टेंशन। टेंशन तब होता है जब हम अध्यात्म में नहीं होते हैं। अध्यात्म का मतलब है प्रकृति और पुरुष। स्वयं के भीतर उतरना, झांकना, स्वचिंतन, स्व की खोज ही अध्यात्म है। जब तक आप अपनी खोज नहीं कर पाओगे तब तक परमात्मा की खोज नहीं कर पाओगे। अपने को जाना तो जगत को जाना।

यहां सब शिव बाबा की साधना में रत हैं

स्वामी ज्ञानस्वरूपानंद महाराज ने कहा कि जिनके विचारों में शुद्धता हो, विचार पवित्र हों, भाव श्रेष्ठ हो ऐसे लोग ही देवता कहलाते हैं। माउंट आबू की पवित्र धरा में हजारों ब्रह्माकुमार भाई-बहनें शुद्ध-पवित्र भाव के साथ तपस्या कर रहे हैं। यहां जितने भी ब्रह्माकुमार-कुमारियों से मुलाकात हुई सबके पवित्र भाव हैं। यहां अभद्रता जैसी कोई चीज नहीं दिखी। यहां सब एक-दूसरे से दिल से मिलते हैं। परमात्मा शिव बाबा की साधना में रत हैं। स्वयं की खोज से ही विश्व शांति आएगी। जब इस शरीर, मन में शांति आएगी तभी विश्व में शांति आ सकती है। यदि शरीर में ही अशांति, बेचैनी है तो शांति संभव नहीं है। अशांत व्यक्ति को सारा संसार अशांत ही दिखेगा। निराकार शिव बाबा, भोलेबाबा के ध्यान से ही मन शांत होगा। नारी को शक्ति कहा गया है। शक्ति को ही अंबा, जगत अम्बा कहा गया है।

हर व्यक्ति की बुद्धि अलग, इसलिए अनेक पंथ-धर्म बने हैं-

उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति की अलग-अलग बुद्धि होती है। इस कारण अनेक पंथ-धर्म बन जाते हैं। मुख्य हमारा वैदिक सनातन धर्म है। वेद कोई पुस्तक नहीं है। वेद विद् धातु से बना है। जिनको हम परमात्मा, शिव, ईश्वर कहते हैं वह स्वयं रचित हैं। पहले हमारे यहां कोई चीज पढ़ाई नहीं जाती थी सिर्फ स्मरण कराई जाती थी। पहले कोई शिष्य ऋषि-मुनियों के यहां 12 साल तक रहता था और उच्चारण करके उसे सिखाया जाता था। उससे उसकी दीक्षा दिलाई जाती थी। वास्तव में वह मंत्र स्वयं प्रकट होकर उस व्यक्ति का वरण करता था, उससे उसकी रक्षा होती थी और उसके जीवन का उद्धार होता था। लेकिन अब वह काल खत्म हो गया है और भौतिक काल आ गया है। जबसे भौतिक काल आया है तब से लोगों की स्मृति कम हो गई है।

हमारी देव भाषा संस्कृत है

वेद व्यास महाराज जी आए। इनके पहले कोई पुस्तक नहीं थी। इन्होंने मंत्रों को चार भागों- कर्मकांड, साधना कांड, उपासना कांड और ज्ञान कांड। एक लाख मंत्रों को कलमबद्ध करके ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और यथर्ववेद की रचना की। तब से इन्हें सरल भाषा में समझाया गया। हमारी देव भाषा संस्कृत है। आज की दुनिया में संस्कृत भाषा लुप्त हो गई है। इससे ग्रंथों का जो भाव है वह लोगों को समझ नहीं आता है।

सनातन धर्म परमात्मा से जोड़ता है

मूल हमारा वैदिक धर्म है। उसे छोड़कर आज अनेक मत-मतांतर बन गए हैं। आज सनातन धर्म में अनेक वायरस पैदा हो गए हैं। जो हमें सत्य से, परमात्मा से भटकाने वाले हैं। जो वैदिक धर्म की चर्चा करते हैं चाहे वह सन्यासी हों, सफेद कपड़ों में हों या पेंट शर्ट वाले हों वह हमारे धर्म के हैं, परिवार के हैं। आज ज्यादातर संस्थाओं में भटकाने वाला काम किया जा रहा है। सनातन धर्म खरा सोना, सत्य है जो हमें परमात्मा से जोड़ता है।

स्वामीजी 20 साल से गोसेवा में जुटे

बता दें कि स्वामी ज्ञानस्वरूपानंद महाराज बाल्यकाल से ही ब्रह्मचारी रहते हुए सन्यास धर्म अपनाया। पिछले 20 वर्षों से गौ माता की सेवा कर रहे हैं। प्रमुखता से जैन बंद के सामने पाली रोड कांकाणी में गौ सेवा संस्थान की शुरुआत की। यहां दुर्घटना में घायल गोवंश का निशुल्क उपचार किया जाता है। साथ ही आनंद धाम गौशाला, आरती नगर महादेव गौशाला पाल में असहाय गोवंश की देखरेख की जाती है। स्वामीजी स्वयं गोमाता का उपचार करते हैं।

शख्सियत...

हर मनुष्य को इस ज्ञान को समझना, अनुभव करना परम आवश्यक है: न्यायाधीश शर्मा

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

राजयोग ध्यान से कैसे माइंड पावर बढ़ जाती है और एकाग्रता की शक्ति का विकास होता है, इसकी मिसाल हैं जिला एवं सत्र न्यायाधीश विनोद कुमार शर्मा। मप्र के विदिशा जिले के गंजबासौदा में पदस्थ न्यायाधीश शर्मा ने आठ साल की अध्यात्मिक यात्रा में अनेक अनुभूतियां की हैं। राजयोग ध्यान की बदौलत उन्होंने मात्र पांच माह की तैयारी में ही जिला न्यायाधीश की परीक्षा उत्तीर्ण कर मिसाल पेश की है। शिव आमंत्रण से विशेष बातचीत में उन्होंने अध्यात्म से जुड़े अपने अनुभव सांझा किए।

स्वयं शिवबाबा ने मुझे चुना है...

मैं पिछले आठ वर्ष से निरंतर राजयोग का अभ्यास कर रहा हूं। इस ज्ञान के लिए स्वयं परमपिता परमात्मा शिवबाबा ने मुझे चुना। वर्ष 2007 तक ब्रह्माकुमारी संस्थान के बारे में मुझे कोई परिचय नहीं था और न ही मैंने कभी मेडिटेशन के बारे में सोचा था। वर्ष 2007 में इंदौर में व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-2 की परीक्षा पास करने के बाद सायंकाल के समय कॉलोनी में घूमने निकला था। इस दौरान रास्ते में एक मकान पर सहज राजयोग मेडिटेशन का बोर्ड लगा दिखाई दिया। इस पर मुझे उसके बारे में जानने की इच्छा उत्पन्न हुई। शाम को सेवाकेन्द्र पहुंचा, वहां निमित्त बहनों ने मेरा परिचय प्राप्त किया और सात दिवस के कोर्स के बारे में बताया। बहनों के मीठे और सरल व्यवहार को देखकर मन में संकल्प आया कि मुझे भी ऐसा ही बनना है। फिर मैंने सात दिवस का कोर्स किया और राजयोग का प्रारंभिक परिचय प्राप्त किया। कुछ समय पश्चात मेरी पोस्टिंग आ जाने से ज्ञान को निरंतर नहीं कर सका, लेकिन मन ही मन खिंचाव शिवबाबा और उनसे मिलन के प्रति रहा।

वर्ष 2015 में सागर जिले की खुरई तहसील में पदस्थापना होते ही पुनः सेवाकेन्द्र पर जाने का अवसर मिला। वहां सेवाकेंद्र प्रभारी बीके किरण बहनजी के मार्गदर्शन में माउंट आबू ज्ञान सरोवर में 10 जुलाई 2015 को जाने का अवसर मिला। वहां पहले दिन बीके ऊषा दीदी ने गीता का आध्यात्मिक रहस्य पर क्लास कराई। साथ ही अन्य वरिष्ठ भाई-बहिनों की क्लास ने मन मोह लिया। सम्पूर्ण शिविर अटैंड किया। इतना प्यार और स्नेह मिला कि वहां से आने का मन ही नहीं था ।

ब्रह्ममुहूर्त में राजयोग ध्यान शुरू किया

मैरे लौकिक घर में श्रीराम-जानकी, श्रीराधा-कृष्ण का मंदिर होने से भक्ति से अटूट रिश्ता था। शिविर के बाद जब ठीक से स्वयं एवं परमात्मा की पहचान मिली, तब यह निश्चय हुआ कि भक्ति का फल प्राप्त हो गया है। फिर प्रातः काल अमृतवेला (ब्रह्ममुहूर्त) में नियमित राजयोग ध्यान का अभ्यास शुरू किया। जब ज्ञान हुआ कि इस सृष्टि के बीज परमात्मा शिव से मिलन हो रहा है और अटूट सुख प्राप्त हो रहा है, तब कोई भौतिक क्रियाएं आदि करने की आवश्यकता ही नहीं रही है। इस तरह परमात्मा पर अटूट निश्चय और विश्वास बढ़ता गया। आज अमृतवेला 3 से 3.30 बजे उठकर नियमित रूप से राजयोग ध्यान करता हूं। राजयोग ध्यान में बाबा मुझे दिन-प्रतिदिन गहरे अनुभुव करा रहे हैं। मन को अपने मुताबिक मोड़ने की कला प्राप्त हुई है।

बापदादा से मिलन में शरीर का भान भूल गया

इसके बाद बीके किरण बहन जी के मार्गदर्शन में संपूर्ण धारणाएं की और प्रथम बार अकेले और द्वितीय एवं तृतीय बार युगल एवं बच्चों सहित बापदादा से मिलन का सुख प्राप्त किया। द्वितीय बापदादा मिलन के समय पूर्ण अशरीरी होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। घंटों तक देह का भान ही मिट गया। शरीर एक बर्फ की सफेद शिला के रूप में दिखाई दे रहा था। शरीर में आने पर यह महसूस हो रहा था कि क्या मैं इस धरती का ही निवासी हूं?

विद्यार्थियों के लिए चमत्कारिक है

सन् 2017 में जिला न्यायाधीश की परीक्षा का विज्ञापन आया। राजयोग के अभ्यास द्वारा मात्र पांच माह की तैयारी में उक्त परीक्षा पास की। राजयोग द्वारा प्राप्त हुई एकाग्रता के कारण ही मेरे लिए यह संभव हो सका। उक्त परीक्षा के बाद मुझे शिव बाबा के सदा साथ और मदद करने का पूर्ण आभास और प्रगाढ़ निश्चय हुआ। मेरा यह दृढ़ विश्वास है कि समस्त विद्यार्थियों के लिए राजयोग का अभ्यास चमत्कारिक परिणाम दिला सकता है।

पांडव भवन में शिव बाबा की उपस्थिति महसूस की

वर्ष 2023 की जूरिस्ट कॉन्फ्रेंस में पुनः ज्ञान सरोवर आने का अवसर मिला। यहां मेडिटेशन में अनुभूति हुई कि शिव बाबा कह रहे हैं कि आत्मिक भाव को और बढ़ाओ। पांडव भवन में स्वतः ही परमधाम और स्वर्ग का अनुभव होता है। यहां अमृतवेला शिवबाबा और ब्रह्मा बाबा की उपस्थिति महसूस की। इस ज्ञान-योग की पढ़ाई में धर्मपत्नी श्रीमति दिव्या शर्मा का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ। वह भी कदम से कदम मिलाकर चल रही हैं। मैं यही सोचता हूं इस ज्ञान और अनुभव के बिना मनुष्य का जीवन अधूरा है। हर मनुष्य को इसे समझना और गहराई से अनुभव करना परम आवश्यक है, तभी जीवन का उद्देश्य सफल हो सकेगा। प्यारे शिवबाबा का मुझे ज्ञान प्रदान करने हेतु चुनने के लिए लाख-लाख शुक्रिया।

ब्रह्माकुमारीज़ के माउंट आबू में तीन दिवसीय राष्ट्रीय संत सम्मेलन आयोजित

वर्तमान परिस्थितियों का अध्यात्म से ही संभव है समाधान

माउंट आबू/राजस्थान।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के धार्मिक प्रभाग की ओर से वर्तमान परिस्थितियों में अध्यात्म से समाधान विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संत सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें देशभर से जाने-माने संत-महात्मा, महामंडलेश्वर ने भाग लिया। तीन दिन चले मंथन-चिंतन कर विद्वानों से निष्कर्ष निकाला कि वर्तमान में व्याप्त मानसिक, पारिवारिक, व्यक्तिगत, सामाजिक, आर्थिक और वैश्विक सभी समस्याओं का समाधान एकमात्र अध्यात्म में ही समाया है। अध्यात्म शक्ति से ही विश्व परिवर्तन और विश्व शांति संभव है। अध्यात्म स्व की खोज, स्वचिंतन, आत्म चिंतन की ओर ले जाता है। इससे मानव स्वतः ही भौतिक जगत की नकारात्मक प्रवृत्तियों से दूर हो जाता है।

संत-महात्मा बोले- तनाव दूर करने के लिए राजयोग बहुत जरूरी

विश्व में शान्ति स्थापन करने का कार्य किया जा रहा

आधुनिकता के प्रभाव से डगमगाती दुनिया को आध्यात्मिकता को संबल देने का अदभुत उदाहरण ब्रह्माकुमारी संगठन की ओर से विश्व में शान्ति स्थापन करने का कार्य सबके समक्ष है। ब्रह्माकुमारी पूरे मनोयोग से विश्व भर में सेवा कर रहा है। शिव परमपिता परमात्मा ब्रह्मा के माध्यम से सृष्टि की संरचना करते हैं।

- महामंडलेश्वर गौऋषि ज्ञानस्वरूपानंद अक्रिय महाराज, जोधपुर

ब्रह्मा बाबा का जीवन खुली किताब की तरह प्रेरणादायी

विश्व सेवा में समर्पित ब्रह्माकुमारी संगठन की सेवाओं का प्रकाश जन-जन के जीवन को प्रकाशित कर रहा है। खुली किताब की तरह संस्था के संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा का जीवन हर मानव के लिए प्रेरणादायी रहा। जिनकी बदौलत विश्व के नवनिर्माण का कार्य तीव्र गति से संपूर्णता की ओर बढ़ रहा है।

- ब्रह्मर्षि डॉ. महेश योगी, वर्ल्ड ऑफ गिनीज बुक होल्डर, अयोध्या

नारी शक्ति ही विश्व का उद्धार करेगी

आने वाले समय में नारी शक्ति ही विश्व का उद्धार करेगी। ईश्वरीय ज्ञान के प्राधन्य से ही सच्चे आत्मिक स्नेह की वर्षा होती है। सारे आध्यात्मवाद की बुनियाद उपनिषद, वेद हैं। अध्यात्म मन, बुद्धि, इंन्द्रियों पर नियंत्रण रखने की शक्ति प्रदान करता है। ब्रह्माकुमारी संगठन के आध्यात्कि आयोजन विश्व को आलोकित कर रहे हैं।

- महामंडलेश्वर स्वामी अभिषेक चैतन्य महाराज, ऋषिकेश

चेतन तत्व को जानना ही अध्यात्म है

कोई भी चार्ज लिए बिना स्वयं को ईश्वरीय शक्ति से चार्ज करने की ज्ञान सरोवर की भूमि स्वर्गाश्रम है। परमधाम की अनुभूति यहां के बायब्रेशन से हो रही है। परमात्मा की महसूसता के लिए स्वयं के मैं रूपी अहंकार को नष्ट करना पड़ता है।

- कथावाचक हीरेन पांचाल, गांधीधाम, गुजरात

हम सभी का स्वधर्म पवित्रता है

हम सभी का स्वधर्म पवित्रता और शांति है। यही मानव जीवन की धुरी है। इसलिए एकजुटता के साथ सभी धर्मावलंबियों को पुरातन संस्कृति के उत्थान में आगे आना चाहिए। ब्रह्माकुमारीज़ समाज को एकता के सूत्र में पिरोने का कार्य कर रहा है।

- स्वामी बसवअप्पा, मनिप्र, कर्नाटक

नये विश्व के निर्माण की नींव अध्यात्म

नये विश्व के निर्माण की नींव अध्यात्म है। शोषण की बढ़ती प्रवृति पर अंकुश लगाना चुनौतीपूर्ण कार्य है, लेकिन ब्रह्माकुमारी संगठन का दार्शनिक शास्त्र समाज में असंतुष्टता, दु:ख, दरिद्रता, अंधकार को समाप्त करने में अहम भूमिका अदा कर रहा है। **- बीके रामनाथ भाई, मुख्यालय संयोजक, धार्मिक प्रभाग**

मेडिटेशन से आत्मबल बढ़ता है

परोपकार के लिए ही महापुरुष धरा पर आते हैं। अध्यात्म के प्रकाश से आलोकित ज्ञान सरोवर सच्ची खुशी व शांति की अनुभूति करा रहा है। ब्रह्माकुमारीज़ की सेवाएं सराहनीय हैं। मेडिटेशन से आत्मबल बढ़ता है। अध्यात्म के बल से ही दुनिया में परिवर्तन संभव है। **- संत चेतन आनंद, सिरसा, हरियाणा**

इन्होंने भी व्यक्त किए अपने विचार-

सम्मेलन में व्याकरणाचार्य संजय उपाध्याय, साध्वी शान्त चेतन आनंद, सत्य साई सेवा संस्थान के जयाभगत, संयुक्त मुख्य प्रशासिका बीके डॉ. निर्मला दीदी, मल्टीमीडिया प्रमुख बीके करुणा, प्रभाग के मुख्यालय संयोजक बीके रामनाथ, बनारस से आईं बीके सुरेंद्र बहन, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके ऊषा बहन, इंदौर जोन के क्षेत्रीय संयोजक बीके नारायण, छत्तीसगढ़ राजिम से आईं बीके पुष्पा बहन, राजयोग प्रशिक्षिका बीके कमल बहन, महाराष्ट्र सोलापुर से आईं बीके सोमप्रभा बहन, भरतपुर से आईं बीके कविता बहन, बीके पार्वती बहन ने भी विचार व्यक्त किए।

यहां से वसुधैव कुटुम्बकम् की शिक्षा दी जा रही है

ब्रह्माकुमारी संस्था सारे विश्व को अपना समझ एकता लाने का प्रयास कर रही है। माउंट आबू में ब्रह्मा बाबा की साधना की तरंगों को साफ महसूस किया जा सकता है। आज ब्रह्माकुमार भाई-बहनें साधना के पथ पर चलते हुए लोगों का कल्याण करने में जुटे हैं। तनाव से बचने के लिए राजयोग जरूरी है। यहां वसुधैव कुटुम्बकम् की शिक्षा दी जा रही है। **- पवन कुमार दास फलाहारी महाराज, अयोध्या**

ब्रह्माकुमारी बहनें ईश्वर से जोड़ने का मार्ग दिखा रहे हैं

ब्रह्माकुमारी संगठन भारत की अध्यात्मिक क्रान्ति को विश्व भर में पहुंचाने का कार्य कर रहा है। ये सेवाकेंद्र मानव को ईश्वर से जोड़ने का मार्ग दिखा रहे हैं। ब्रह्माकुमारी बहनों का पवित्र जीवन भटके हुए मानव को शान्ति के पथ पर ले जाने के लिए है। आत्म चक्षु खोलने का कार्य बहनें कर रही हैं।

- ब्रह्मदेव दिव्यप्रकाश स्वामी प्रबोधानंद, हरे रामा, हरे कृष्णा मंदिर प्रन्यासी, सोलापुर, महाराष्ट्र

अध्यात्म जगत की संस्कृति जोड़ने का कार्य करती है

बाह्य जगत की संस्कृति बांटने व अध्यात्म जगत की संस्कृति जोड़ने का कार्य करती है। मानव मात्र के लिए दया, करुणा, क्षमा आदि गुणों को हृदय में जगाना होगा। मर्यादा पुरुषोत्तम बनने से ही मानवता के सच्चे स्वरूप का अनुभव किया जा सकता है। परमात्मा का ज्ञान आत्मा को समर्थ बनाता है। जिससे आत्मिक शक्तियां विकसित होने से बल मिलता है। **- बीके मनोरमा दीदी, अध्यक्षा, धार्मिक प्रभाग**

अगर अपनी कमी मिटानी है तो किसी की कमी नहीं देखो

प्रेरणापुंज

राजयोगिनी दादी जानकी,
पूर्व मुख्य प्रशासिका,
ब्रह्माकुमारीज़,
माउंट आबू

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

आत्म स्थिति में रहना, अपने को आत्मा समझ बाबा से शक्ति खींचना, देही अभिमानी बनना है। ज्ञान का सागर, प्रेम का सागर, शांति का सागर, सर्वशक्तिवान शिवबाबा है। मैं अपने को आत्मा समझकर बाबा से ऐसा संबंध जोडूं जो आत्म-स्थिति में रहने की शक्ति अंदर से अडोल बना दे। अडोल स्थिति कैसे बनी? कभी न चलायमान, न डोलायमान। इसके लिए चाहिए एकाग्रता की शक्ति। बाबा कहते हैं, बच्चे, तुम मास्टर सर्वशक्तिमान हो। वो तब समझेंगे जब स्मृति होगी मैं बाबा की बाबा मेरा। ऐसा महसूस करने से सुख मिलता इलाही है। जो मन, बुद्धि को अपने ऑर्डर में रखता है वो हमेशा खुश रहता है। योग में कर्मातीत, अव्यक्त, संपूर्ण-आप सब ही तो बनने वाले हो। दिन-प्रतिदिन न्यारे बनने से, बाबा का प्यार पाने से धरती पर पांव नहीं रहने चाहिए। फरिश्तों के पांव धरती पर नहीं रहते हैं। साकार में रहते भी अव्यक्त निराकारी रहते हैं।

> ■ बाबा बैठा है, हम निश्चिंत हैं, पर निश्चिंत भी तभी रहेंगे जब हमारे चिंतन में बाबा होगा।

सर्वगुणों में संपन्न बनने के लिए, औरों को भी गुणवान बनने के लिए हम साथ दे रहे हैं। मेरे को तो भगवान ने जो पार्ट दिया है, उसमें बहुत खुश हूं, मस्त योगी हूं, मस्त फकीर। कितना अच्छा पार्ट बाबा ने दिया है। हर एक का अच्छा पार्ट है। सबके पार्ट को साक्षी हो देखना, यह भी अच्छा है। सबके साथ मिलनसार होकर मिलकर रहना यह बहुत अच्छा पार्ट है। ऐसी कोई आत्मा न हो जो मैं कहूं, यह अच्छी नहीं है, यह सोचना भी नहीं है।

कभी भी कोई आपके चेहरे पर नाखुशी को ना देखे-

कभी भी स्वभाव परिवर्तन न हो। सदा ही क्वीन मदर की बात याद रखना - झुक-झुक, मर-मर, सीख-सीख। सुनने में भी ऐसी सीखने की भावना, स्नेह की भावना, सच्चाई की भावना हो जो हम सब एक के हैं, एक हैं। वन गॉड वन वर्ल्ड वन फैमिली हैं। इतना अंदर बुद्धि बेहद में रहे, खुश रहे। कभी भी कोई आपके चेहरे पर नाखुशी को ना देखे। सदा एक बाप दूसरा ना कोई। एक बाबा के सिवाय दूसरी कोई बात दिल में नहीं रखनी है। बाबा बैठा है, हम निश्चिंत हैं, कोई चिंता की बात नहीं है पर निश्चिंत भी तभी रहेंगे जब हमारे चिंतन में बाबा होगा। शुभ चिंतन होगा अपने लिए, शुभ चिंतक होंगे सबके लिए। पुरुषार्थ में, चाहे सेवा में, चाहे संबंध में, स्व सेवा संबंध तीनों ही श्रेष्ठ हों। जब हम ऐसी चलन चलते हैं, ऐसा भाग्य बनाते हैं, तो हमारे को देख औरों का भाग्य बन जाता है।

अपने को टीचर नहीं समझो, सेवा साथी हो-

ना किसी की कमी देखो, ना सुनो, ना मुख से वर्णन करो, यह थोड़ी भी आदत हो तो मिटा देना। कमी देखना, सुनना फिर मुख से बोलना- बड़ा नुकसानकारक है। अगर अपनी कमी मिटानी है तो किसी की कमी नहीं देखो। अपने को टीचर नहीं समझो, सेवा साथी हो। एक योग अपने लिए लगाते हैं जो कोई याद ना आए, दूसरा सेवा में योग लग जाता है। सेवा करते रहो कभी थकना नहीं है। थकते वो हैं जो आवाज में ज्यादा आते हैं। थकावट उनकी होती है जो देह अभिमान में आते हैं। बाबा की सेवा है, बाबा के बच्चों की सेवा है, हम सेवाधारी हैं, सच्चाई और प्रेम में थकावट नहीं होती है। योग और ज्ञान है तो ऑटोमेटिक देह संबंध से न्यारे और बाबा के प्यारे हो जाते हैं। ऐसी स्मृति अच्छी हो कि सब बाबा के प्यारे बच्चे हैं, भले हजारों बैठे हैं पर सब बाबा के बच्चे हैं।

रियल लाइफ **प्रजापिता ब्रह्मा बाबा,** संस्थापक, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, माउंट आबू

परमात्मा इस सृष्टि पर आकर माताओं-कन्याओं को ज्ञानामृत का कलश देते हैं

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

ब्रह्माकुमारी ध्यानी जी, जोकि वर्तमान समय अंबाला में ईश्वरीय सेवा में तत्पर थीं और जिन्हें दिव्य दृष्टि भी प्राप्त है, लिखती हैं कि जब हम देहली में पहुंचीं तो सत्संग की कई माताएं तथा कई भाई हमारे स्वागत के लिए आए थे। उन्होंने हमारे ठहरने के लिए प्रबन्ध तो पहले से ही कर रखा था। अतः अब फिर से हमने ईश्वरीय ज्ञान की क्लास प्रातः और सायंकाल प्रारंभ कर दी और देहली के कई क्षेत्रों में और थियोसॉफिकल सोसाइटी आदि-आदि धार्मिक स्थानों पर हमारे प्रवचन भी समय-समय पर होते रहे।

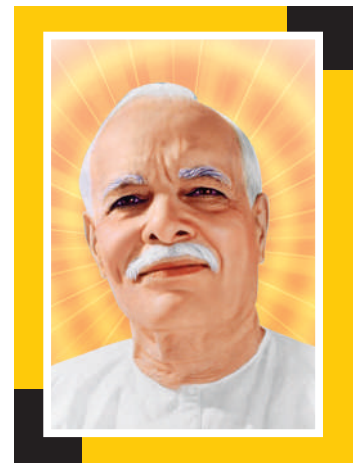

कुम्भ मेले पर एक ओर ज्ञान गंगा दूसरी ओर जल-गंगा

उन्हीं दिनों हमें इलाहाबाद में कुम्भ मेले पर जाने का भी निमन्त्रण मिला था। जो दैवी बहनें कोलकाता में गईं थीं, उनके सत्संग में आने वाले किसी जिज्ञासु ने वहां ब्रह्माकुमारी बहनों के लिए व्यवस्था करा दी थी। देहली में भी बहनों के संपर्क में एक शास्त्री जी आए थे। उन्होंने भी वहां इलाहाबाद में पधार कर भाषण करने के लिए निमन्त्रण दिया था। अतः बाबा ने बहुत-सी बहनों को कुम्भ के मेले पर आत्माओं की ज्ञान-सेवा के लिए भेजा था।

ब्रह्माकुमारी बृज शान्ता जी, जोकि आजकल पूना सेवाकेन्द्र पर ईश्वरीय ज्ञान तथा योग की शिक्षा देती हैं, लिखती हैं कि 'उस मेले पर लाखों नर-नारी आए थे। अनेकानेक संन्यासियों, शास्त्रियों और आचार्यों ने प्रवचन के लिए अपने-अपने यहां व्यवस्था की हुई थी। हमें उनमें से प्रायः सभी ने भाषण के लिए निमन्त्रण दिया था। उनमें से एक प्रमुख साधु 'प्रभुदत्त ब्रह्मचारी' जी ने भी हमें दो-तीन बार अपने मंच पर भाषण करने का अवसर दिया था। प्रतिदिन कई स्थानों पर हम भक्त लोगों को ईश्वरीय सन्देश देती थीं। हमें बहुत से ऐसे जिज्ञासु भी मिले जिन्होंने हमें स्वेच्छा से और अपने ही खर्चे से हमें ईश्वरीय निमन्त्रण तथा अन्य कई फोल्डर आदि-आदि छपवा दिए। इस प्रकार के कई लाख ईश्वरीय निमन्त्रण पत्र और फोल्डर हमने नर-नारियों को दिए। उनमें परमपिता परमात्मा के अवतरण की सूचना और आने वाले समय की पहचान दी गई थी।

लोगों को दिया संगम का वास्तविक परिचय-

हम अपने प्रवचनों में लोगों को कुम्भ तथा संगम का वास्तविक परिचय भी देती थीं। हम उन्हें बताती थी कि वास्तव में कलियुग के अन्त और सतयुग के आरम्भ का संधि समय ही 'संगम' अथवा 'पुरुषोत्तम संगमयुग' है जबकि परमपिता परमात्मा इस सृष्टि में आकर माताओं- कन्याओं को ज्ञानामृत का कलश अथवा कुम्भ देते हैं। वही माताएं- कन्याएं ही ज्ञान गंगा, ज्ञान-यमुना तथा ज्ञान-सरस्वती बनकर भारत के नर-नारियों को ज्ञान जल अथवा ज्ञानामृत द्वारा पतित से पावन बनाने का कर्तव्य करती हैं। उसी की याद में गंगा, यमुना, गुप्त सरस्वती नदी के संगम पर आज तक लोग कुम्भ का मेला मनाते आते हैं। अब फिर वही संगमयुग चल रहा परमपिता परमात्मा शिव ने प्रजापिता ब्रह्मा द्वारा हम गंगा, सरस्वती आदि कन्याओं-माताओं को ज्ञानामृत का कलश (कुम्भ) दिया है। आप उस ज्ञान स्नान द्वारा अब स्वयं को पावन कर पुण्य के भागी बन सकते हो। यह जल तत्व तो केवल शरीर को ही पावन कर सकता है। आत्मा इससे पावन नहीं होती। आत्मा ज्ञान स्नान से पावन होती है। परन्तु लाखों मनुष्यों में से किसी बिरले ही मनुष्य की बुद्धि में यह बात धारण हुई। **क्रमशः**

अव्यक्त इशारे **राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी (गुलजार दादी),** पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़, माउंट आबू

सदा खुशी में रहें कि-भगवान हमारा साथी है

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

सारे ज्ञान का सार तीन बार ओम शान्ति में आ जाता है। मुख्य है बाप, दादा और ड्रामा। ड्रामा का ज्ञान मुख्य है। ड्रामा को जानने से हम नॉलेजफुल बन जाते हैं। क्या थे, क्या हैं और क्या बन रहे हैं। कभी भी कोई दिलशिकस्त होता है तो ड्रामा उसे उत्साह में ले आता है। कितने बार हम कल्प में बाबा के बने। बाबा शब्द बोलते ही खुशी होती है। बाबा भी हम बच्चों को देख बहुत खुश होते हैं। हमारे जैसा भाग्य, हमारे जैसा ड्रामा में पार्ट कोई-कोई आत्मा का होता है। सारे दिन में कर्मयोग करते भी खुशी कम नहीं होती। भगवान ने हमें अपना बच्चा बना लिया, इससे बड़ा भाग्य क्या होगा? जो पाना था सो पा लिया। हमारा भाग्य कितना श्रेष्ठ है जो स्वयं भगवान ने हमें ढूंढ़ा है। अन्दर में खुशी और नशा हो भगवान हमारा साथी है। जब भी दिल में बाबा याद आता है तो दिल कहता है वाह बाबा वाह! हमें क्या से क्या बना दिया।

बाबा बच्चों को हमेशा चेतन्य ठाकुर के रूप में देखते थे। जब भी कोई नया फल आता था तो सबसे पहले बच्चों को अपने हाथों से खिलाते थे। बाबा बच्चों को हमेशा बोलते कि आपका चेहरा खिले हुए गुलाब की तरह खुशमिजाज होना चाहिए। किसी का खुशमिजाज चेहरा देखेंगे तो अवश्य दिल में आएगा कि इनको कुछ मिला है। कोई गरीब होता है उसको अगर लॉटरी लग जाए तो उसका चेहरा कितना खुशमिजाज होगा। हमें भगवान मिला है तो हमारा चेहरा भी सदा खिला हुआ हो। परमात्मा हमारा बाप, टीचर, सद् गुरु ये तीन संबंध मुख्य रूप से आवश्यक हैं। बाबा का बच्चों से इतना प्यार है। तीनों के पास अलग-अलग से जाने नहीं देता, बाबा एक में ही तीन है। पिता बनकर वर्सा देता है, शिक्षक बनकर शिक्षा देता है और सद् गुरु बनकर रोज हमें वरदान देता है। सारा दिन बुद्धि में याद रहना चाहिए कि आज बाबा ने मुझे क्या वरदान दिया। सारा दिन वरदान याद रखने से अवस्था सहज ही मजबूत हो जाएगी। इसको कहा जाता है बाप और बच्चे का सच्चे दिल का प्यार।

बाबा की पढ़ाई कितनी निराली है। पांच हजार वर्ष की सारी कहानी याद दिला देती है क्या थे, क्या बने हो और क्या बनेंगे। तीनों काल का बता देता है। ऐसा बाप कोई होगा जो रोज वरदान दे, रोज महावाक्य उच्चारण करे। लेकिन बाबा रोज गुड मॉर्निंग और रोज रात को गुड नाइट करने आते थे। बाबा अथाह ज्ञान का धन देते हैं जिससे 21 जन्म दुख - अशान्ति का नाम नहीं होगा। बाबा एक-एक बच्चे को 21 जन्म सुख की गैरन्टी देते हैं। बाबा कहते कि नशा रहना चाहिए कि तुम तीन तख्त के मालिक हो- एक भ्रकुटी तख्त, दूसरा बाबा का दिल तख्त और तीसरा भविष्य राज्य का तख्त।

सवेरे आंख खुलते ही बाबा को गुड मॉर्निंग जरूर करें। रोज स्वमान की लिस्ट सामने रखो और सारा दिन एक स्वमान की स्मृति में रहो। रात को अपने पूरे दिन का पोतामेल बाबा को देकर फिर सोना है। अगर गलती भी हो गई है तो बाबा से उसकी माफी ले लो। बाबा को पोतामेल दे देंगे तो मन खाली हो जाएगा। बाबा को सब दे देने से मन हल्का हो जाएगा। मन पर कोई बोझ नहीं होगा तो निरंतर कर्मयोगी बनना आसान होगा। भोजन करने से पहले बाबा को भोग जरूर स्वीकार कराएं। बाबा की स्मृति से भोजन में शक्ति आ जाती है। भोजन की शक्ति से मन भी शक्तिशाली हो जाता है।

जितना नियम-संयम में रहेंगे उतना स्वमान में रहेंगे-

दिनभर में जब भी पानी या चाय आदि पीते हैं बाबा को याद करके पीने से बाबा की स्मृति बनी रहती है। ये नियम बाबा को बार - बार याद करने का सहज साधन हो जाएगा। अपनी दिनचर्या को सेट रखना है। हर घंटे पांच मिनट अपने पांच स्वरूप स्मृति में लाओ, ये नियम पक्का हो जाए तो रात्रि को चार्ट अच्छा हो जाएगा। जितना नियम और संयम में रहेंगे, उतना स्वमान में स्थित रहेंगे। इसके लिए बाबा की मुरली कभी मिस नहीं करनी है। मुरली और मुरलीधर दोनों का महत्त्व होना चाहिए। मुरली के एक-एक शब्द का महत्त्व हमें महान बना देगा। योगी जीवन की धारणा एकदम पक्की हो, मुख से बाबा शब्द कहें और बाबा सामने महसूस हो। जब भी समय मिले एकान्त में बैठकर बाबा से बातें करेंगे तो योग का सब्जेक्ट पक्का हो जाएगा।

जबलपुर के गेरीसन ग्राउंड में हैप्पीनेस अनलिमिटेड कार्यक्रम आयोजित

खुश रहने के लिए सबको दिल से दें दुआ: शिवानी दीदी

शिव आमंत्रण, जबलपुर (मप्र)।

ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से गेरीसन ग्राउंड में आयोजित हैप्पीनेस अनलिमिटेड कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय प्रेरक वक्ता बीके शिवानी दीदी को सुनने के लिए लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। हजारों की संख्या में पहुंचे लोग पूरे समय शांति के साथ बैठे रहे और कार्यक्रम का आनंद लिया। इसमें जनप्रतिनिधि से लेकर सेना के जवान , प्रशासनिक अधिकारी -कर्मचारी, विद्यार्थी, युवा व समाज के सभी वर्ग के लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में बीके शिवानी दीदी ने कहा कि अगर हमारे घर-परिवार में कोई व्यक्ति शारीरिक रूप से अस्वस्थ है तो उसके प्रति चिंता का भाव न रखते हुए शुभचिंतन का भाव रखना चाहिए। उसे मनसा से शक्ति और दुआएं देना चाहिए। कहते भी हैं कि कई बार जहां पर दवा काम नहीं करती है, वहां दुआ काम कर जाती है। आने वाले महीनेभर के लिए हम यह प्रतिज्ञा करते हैं कि जिसने भी हमें दुःख दिया हो उसे दिल से दुआएं देते रहेंगे। दुआएं-दुआएं और दुआएं। साथ ही हम अपने प्रति दूसरों की करी गलतियां जो हमारे मन में गांठ बन कर लगी हुई हैं उसके लिए उस व्यक्ति को क्षमा कर देंगे। जिस व्यक्ति का हमने दिल दुखाया हो उससे क्षमा मांग लेंगे। हम हर बीती हुई बात को अब जिंदगी में फुल स्टॉप लगा देंगे और हर क्षण की नवीनता का अनुभव करेंगे।

शिवानी दीदी ने बताया कि ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्रों पर जाकर निशुल्क राजयोग का प्रशिक्षण प्राप्त किया जा सकता है। राजयोग अपनाकर जीवन में हर परिस्थिति में अचल रहकर आनन्द का अनुभव कर सकते हैं। जीवन में आने वाली परिस्थिति हमें मजबूत बनाने के लिए आती हैं और हमें परिस्थिति को साक्षी होकर देखने का अभ्यास करना चाहिए। ताकि हम किसी घटना से अटैच अफेक्ट न होकर के जीवन को परफेक्ट बना सके। कार्यक्रम में विधायक अशोक रोहाणी, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज, नेता प्रतिपक्ष कमलेश अग्रवाल, इंदौर जोन की निदेशिका बीके हेमलता दीदी मुख्य रूप से मौजूद रहीं। आभार सेवाकेंद्र संचालिका बीके विमला दीदी ने माना। संचालन बीके बाला बहन ने किया।

माइंड-बॉडी-मेडिसिन पर संभाग स्तरीय कॉन्फ्रेंस आयोजित

शिव आमंत्रण, जबलपुर (मप्र)।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की प्रदेश इकाई द्वारा मानस भवन में माइंड-बॉडी-मेडिसिन कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इसमें शहरभर के डॉक्टर्स और मेडिकल स्टाफ ने शिरकत की। इस दौरान नशामुक्त भारत अभियान का भी शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय प्रेरक वक्ता बीके शिवानी दीदी ने कहा कि डॉक्टर्स का ऐसा पेशा है जिसमें हम सबसे ज्यादा दुआ कमा सकते हैं। इसलिए आप सभी धन के साथ दुआएं भी कमाएं। आईएमए के प्रदेश अध्यक्ष आरके पाठक, नेपियर टाऊन शिव स्मृति भवन सेवाकेंद्र प्रभारी बीके भावना बहन, मेडिकल डीन डॉ. गीता गुईन, सीएमएचओ संजय मिश्रा, डॉ. श्याम रावत, डॉ. पुष्पा पांडे सहित जिलेभर से आए डॉक्टर्स मौजूद रहे।

संबलपुर में प्रशासनिक अभियान का शुभारंभ

शिव आमंत्रण, संबलपुर/ओड़िशा।

ब्रह्माकुमारीज़ सबजोन के रायल रिट्रीट में प्रशासक सेवा प्रभाग द्वारा चलाए जा रहे बेहतर शासन के लिए मूल्य और अध्यात्मिकता प्रशासनिक अभियान का शुभारंभ समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि सम्बलपुर विश्वविद्यालय, बुर्ला के कुलपति प्रो. बिधु भूषण मिश्र, गंगाधर मेहर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एन नागराजू , आईआईएम के डायरेक्टर प्रो. महादेओ जैसवाल, दिल्ली से पधारीं फैकल्टी बीके विधात्री दीदी, बीके श्वेता दीदी और बीके सीताराम मीना उपस्थित रहे। इसमें 200 प्रशासक अधिकारियों ने भाग लिया।

सबजोन की निदेशिका बीके पार्वती दीदी ने कहा अभियान के तहत संबलपुर, सोनपुर, बलांगिर, बौद्ध सभी जिलों में प्रशासकों के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञान सरोवर में अखिल भारतीय स्पोर्ट्स सम्मेलन आयोजित

राजयोग से बढ़ेगी मन की शक्ति: अध्यक्ष परमजीत सिंह

शिव आमंत्रण, माउंट आबू/राजस्थान।

ब्रह्माकुमारीज़ के स्पोर्ट्स विंग द्वारा ज्ञान सरोवर परिसर में अखिल भारतीय स्पोर्ट्स सम्मेलन का आयोजन किया गया। मन की शक्ति द्वारा खेल में सफलता विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में देशभर से खेल से जुड़े अधिकारी-कर्मचारी, कोच और खिलाड़ियों ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि क्रीड़ा भर्ती के अध्यक्ष, योग एक्सपर्ट परम जीत सिंह सरना ने कहा कि मन की शक्ति को बढ़ाना सफलता के लिए काफी जरूरी है। इसके लिए राजयोग का प्रशिक्षण जरूरी होगा। शरीर की शक्ति भी आवश्यक है। अतः आपको अपने खानपान का भी काफी ख्याल रखें। मन की शांति के लिए मेडिटेशन का अभ्यास भी जरूरी है।

मुंबई से आईं चेतना कॉलेज की स्पोर्ट्स डायरेक्टर कुमारी अर्चन ने कहा कि यहां हर चीज खास है। यह सब देख कर हम सभी चकित हैं। यहां के सभी भाई-बहनें अपने कार्य में प्रसन्नता से लगे हुए हैं। हम सभी को यह सीखना है। वायु सेना के डॉ. सुरेंद्र आर्य ने कहा कि मैं यहां पहली बार आया हूं। मगर यहां का माहौल देखकर मन हो रहा है कि हम सभी यहीं टिक जाएं। राजयोग की शक्ति को यहां हमने समझा है। ब्रह्मचर्य, खेल और खिलाड़ियों के लिए उत्तम अभ्यास है। यह भी हम यहां सीख सकते हैं। जहां तक हो सके प्राकृतिक चिकित्सा का लाभ लें, अंग्रेजी दवा से बचें।

खिलाड़ी को मन की शक्ति बढ़ाना जरूरी-

इंडियन प्रीमियर अकादमी एंड स्पोर्ट्स साइंसेज एंड फिजिकल एजुकेशन के डॉ. गुरदीप सिंह ने कहा कि खिलाड़ी ही सही राजयोगी है। अगर वह एक राजयोगी के निर्देशन में आगे बढ़ता है। मन की शक्ति को बढ़ाकर एक खिलाड़ी सफलता के द्वार खोल सकता है। जालंधर से आए वायु सेना के सेवानिवृत पदाधिकारी सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि राजयोग के अभ्यास द्वारा मन की शक्ति बढ़ा सकते हैं। मेडिटेशन की प्रैक्टिस के बाद उनको अपनी पैदल यात्रा और ट्रैकिंग में काफी मदद मिली है। डॉ. राजकुमार ने भी अपने विचार प्रकट किए। स्पोर्ट्स विंग की अध्यक्ष व संयुक्त मुख्य प्रशासिका बीके शशि दीदी ने कहा कि मन ही हर प्रकार की एनर्जी का सोर्स है जो सभी के पास है। राजयोग से हम सभी को परमात्मा की भी शक्ति मिलती है। नेशनल कोऑर्डिनेटर बीके डॉ. जगबीर सिंह, बीके मेहरचंद, बीके आत्मा दीदी, बीके ज्योति ने भी विचार व्यक्त किए।

संपादकीय

योग की तरफ रुझान ने बदली लोगों की सोच

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर पूरे विश्व में लाखों-करोड़ों लोग इस महाउत्सव के सहभागी बने। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा 140 देशों में योग और राजयोग कराया गया। परन्तु एक बात साबित होने लगी है कि अब लोगों का रुझान तेजी से योग और राजयोग की ओर बढ़ चला है। हर कोई अपने सेहत को लेकर फिक्रमंद है। परन्तु अभी एक फर्क जो है वह समझने की जरूरत है। वह है योग और राजयोग की भूमिका। योग बेशक जीवन को स्वस्थ रखने में अपनी भूमिका निभाता है। लेकिन मनोअवस्था को स्वस्थ रखने के लिए अभी तक किसी के भी पास ठोस उपाय नहीं है। जो आध्यात्मिक और आंतरिक स्तर पर है जिसके जरिए व्यक्ति के अन्दर आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों का विकास हो सकता है। यह सब सम्भव हो सकता है तब जब उसके लिए व्यक्तिगत स्तर पर सकारात्मक सोच और विचारों का आदान-प्रदान किया जाए। प्रतिदिन सोच को ही अपने मन की खुराक बन जाए। इसके लिए प्रतिदिन आध्यात्मिक ज्ञान, ध्यान, सकारात्मक बातों का चिंतन, अच्छे लोगों का संग पर ध्यान दिया जाए। इसलिए योग के साथ दैनिक जीवन में राजयोग का समावेश जरूरी है। ब्रह्माकुमारीज़ से राजयोग ध्यान का प्रशिक्षण लेकर आज हजारों नहीं बल्कि लाखों लोग इस बात के गवाह हैं कि कैसे राजयोग मेडिटेशन से व्यक्ति की सोच से लेकर रहन-सहन, दिनचर्या और पूरा जीवन श्रेष्ठ और दिव्य बन जाता है। व्यक्ति नकारात्मक सोच और कार्यों से पूरी तरह से मुक्त हो जाता है। उसकी समाज में ख्याति बढ़ जाती है।

मेरी कलम से

बीके नारायण भाई,
जोनल कोऑर्डिनेटर, धार्मिक प्रभाग, ओम शांति भवन, न्यू पलासिया, इंदौर

जैसा चित्त- वैसा चिंतन, वैसी ही वृत्ति और दृष्टि बनती है, जो हमारी 'सृष्टि' बनाती है

मनन-चिंतन से आती है मन में स्थिरता और शांति

शिव आमंत्रण, आबू रोड। इस ईश्वरीय विद्यालय के हम गोडली स्टूडेंट हैं। स्वयं गॉड फादर हमें पढ़ाकर अपने समान अर्थात बाप समान बनाते हैं। इससे ऊंचा लक्ष्य और हो नहीं सकता। बाप समान अर्थात अपनी सूक्ष्म मन, बुद्धि, संस्कार व प्रकृति पर संपूर्ण विजय। जिसे हम सहज योग द्वारा सहज ही इस मंजिल पर पहुंच सकते हैं। योग की प्रारंभिक अवस्था मनन चिंतन से होती है।

जितना मन-बुद्धि, मनन-चिंतन में बिजी रहती, उतना समय मन, शांत अवस्था में टिकने लगता है। मन में स्थिरता, शांति का अनुभव होने लगता है। इसके बाद अभ्यास करते करते हमारी मन-बुद्धि में एकाग्रता आने लगती है। एकाग्रता अर्थात मन जैसे-जैसे संकल्प करें बुद्धि द्वारा उसका स्वरूप बनते जाए, अनुभूति होती रहे। इसमें मनसा द्वारा क्रिएट किए गए संकल्प पर बुद्धि लंबे समय तक उस पर टिकने लगती है। जिससे हमारी चेतना अर्थात बुद्धि में सत्य का प्रकाश दिन-प्रतिदिन बढ़ने लगता है।

बुद्धि की सफाई जितनी होती जाती, उतनी बुद्धि की स्थिरता की अवधि बढ़ने लगती है। इस पुरानी दुनिया, व्यक्ति, वस्तु, संस्कारों से उपराम हो शांति, शक्ति, आनंद, खुशी की लहरों में चेतना लहराने लगती है। इसमें हमारा पुरुषार्थ लंबे समय तक जैसे संकल्प, वैसे अनुभूति पर रहता है। इससे हमारे आत्मा के ओरिजिनल संस्कार बाहर आने लगते हैं। फिर अंतिम अवस्था अर्थात बाप समान अवस्था में मन शांत, साक्षी अवस्था में रह, संकल्प अनुभव में मर्ज हो जाते हैं, जो चेतना फिर परमात्म अनुभूति के गुण, शक्तियां अनुभव करती है, उसी अनुभूति के विचार रह जाते हैं।

चेतना मन, बुद्धि, संस्कार की मालिक बन जाती है अर्थात इसमें मन के संकल्प की रचना रुक सी जाती है। यही उच्च, सर्वोच्च अवस्था है। योगाभ्यासी को लाइट ही लाइट अनुभव होने लगती है। जो मेरा अनादि वास्तविक स्वरूप लाइट है। उसी लाइट में सतरंगी ज्ञान, पवित्रता, शांति, प्रेम, खुशी, आनंद, शक्ति की किरण प्रस्फुटित होकर चारों दिशाओं में सूर्य की तरह फैलती हुई अनुभव होने लगती है। यही बाप समान अवस्था अर्थात अनुभूति स्वरूप, सतचित् आनंद स्वरूप अवस्था बन जाती है। इस अवस्था में हम विचार नहीं कर रहे हैं, बल्कि जो मैं हूं, मेरी गुण व शक्तियां जो हैं वह नेचुरल रूप में अनुभूति के रूप में अनुभव होने लगते हैं। जो भी बाबा ने हमें स्वमान दिए हैं एक-एक स्वमान का नशा व अनुभूति प्रैक्टिकल स्वरूप में अनुभव होने लगती है। संकल्प और कर्म में समानता आने लगती है। इस अवस्था में कोई भी आत्मा, प्रकृति व रावण के संस्कार मुझे अपसेट नहीं कर सकते हैं। प्रचंड सूर्य के समान स्थिति का अनुभव होने लगता है। इस अभ्यास को पक्का करने के लिए एक बात ध्यान रखें जैसी मेरी चेतना अर्थात बुद्धि होगी वैसा मेरा चित बनेगा, जैसा चित वैसा, चिंतन। चेतना से चित्त, चित्त से चिंतन, वैसी भावना, वैसी वृत्ति, वैसी दृष्टि, वैसी सृष्टि बनती है। इस तरह से एक श्रेष्ठ योगी अपनी चेतना को सर्वोच्च दिशा प्रदान कर तमोप्रधान प्रकृति व संस्कारों का परिवर्तन कर उन्हें सतोप्रधान बना देता है।

विजयी बनो तो विजय माला के दाना बनेंगे

अगर हमारी चेतना में असत्य है, देह व देह कि दुनिया की भौतिक सामग्री समाई हुई है तो चित्त कभी शांत रह नहीं सकता है। फिर चिंतन भी वैसा ही चलेगा नकारात्मक व्यर्थ। इसीलिए बाबा ने कहा व्यर्थ पर विजयी बनो तो विजय माला के दाना बनेंगे। जहां असत्य वहां चित् शांत रह नहीं सकता है। मन अनेक व्यर्थ संकल्प उत्पन्न करता रहेगा। सत्य को चेतना में समाने से चित के शांत होते ही संकल्प निरसंकल्प हो जाते हैं। इसी को बाप समान कर्मातीत स्थिति कहते हैं।

बोध कथा/जीवन की सीख

आपका विचार ही आपका संसार है

विमला चार दिन से बीमार थी। न उसे भूख रही, न प्यास। नींद भी न रही। अच्छी भली थी, सेहत भी ठीक थी, चार दिन में ही सूख गई। रंग भी काला पड़ गया था। कितने वैद्य आए, पर उसकी बीमारी का कारण नहीं ढूंढ पाए। माता पिता भी चिंता में मरे जा रहे थे। बात यह थी कि अगले ही महीने विमला का विवाह होने वाला था। नदी पार के गांव के ही एक लड़के से विवाह तय हुआ था। भय यह था कि यदि ससुराल पक्ष में इसकी बीमारी की सूचना पहुंच गई, तो कहीं वे विवाह से ही इंकार न कर दें। आज सुबह गुरुजी आए। माता-पिता चरणों में पड़ गए और रोने लगे।

गुरुजी ने सांत्वना दी। कहा– चिंता मत करो! सब ठीक हो जाएगा। मुझे यह बताओ कि जिस दिन ये बीमार हुई, उस दिन हुआ क्या था?

माता ने बताया– उस दिन शाम को यह अपनी सहेली सरला के साथ छत पर खेल रही थी। जब नीचे आई तो चेहरा उतरा हुआ था। बस तभी से बीमार है।

गुरुजी ने सरला को बुलाकर पूछा कि छत पर कुछ हुआ था क्या? सरला बोली– हां गुरुजी! जब हम खेल रहे थे, तब सामने नदी के उस पार बहुत से ऊंटों का काफिला जा रहा था। उन सब पर बहुत सी रूई लदी थी। इसने पूछा कि ये इतनी रूई कहां जा रही है? मैंने मजाक में कह दिया कि तेरी ससुराल। इसने पूछा कि वे इतनी रूई का क्या करेंगे? तो मैंने कह दिया कि तुझसे धागा कतवाएंगे। बस यही बात है। ओह! तो यह बात है। कहते हुए, गुरुजी ने सरला के कान में कुछ कहा और चले गए।

अगले दिन सरला विमला के पास आकर बैठ गई।

उधर गुरुजी ने नदी पार बहुत से पत्तों के ढेर में आग लगवा दी। जब आकाश में धुआं ही धुआं हो गया, तब सरला बोली– विमला! विमला! देख! तेरे ससुर के रूई के गोदाम में आग लग गई। सारी रूई जल कर राख हो गई। विमला ने खिड़की से बाहर झांका और वो धुआं देखा, तो उसने लंबी सांस ली और ठीक हो गई। एक विचार से रोग हो गया, एक विचार उपचार बन गया, यही विचार का बल है। कील पर लटका कोट भूत बन जाता है, रस्सी सांप बन जाती है, स्वप्न का शेर बिस्तर गीला कर देता है।

संदेश: आपका विचार ही आपका संसार है। विचार बदलते ही मन बदल जाता है, जीवन बदल जाता है। विचार बदलते ही सब बदल जाता है। इसलिए जीवन में कुछ भी हो जाए, सबकुछ चला जाए लेकिन हमारे विचार, हमारा आत्मबल कभी कम नहीं होना चाहिए। जिसका जितना आत्मबल होता है वह व्यक्ति इस संसार में उतना ही नाम कमाता है, महान बन जाता है, योगी बन जाता है या फिर असाधारण कार्य कर जाता है।

आत्मिक पवित्रता में उच्च दर्शन की चैतन्यता

जीवन का मनोविज्ञान भाग - 60

- डॉ. अजय शुक्ला, बिहेवियर साइंटिस्ट
गोल्ड मेडलिस्ट इंटरनेशनल, ह्यूमन राइट्स मिलेनियम अवार्ड डायरेक्टर
(स्प्रीचुअल रिसर्च स्टडी एंड एजुकेशनल ट्रेनिंग सेंटर, बंजारी, देवास, मप्र)

शिव आमंत्रण, आबू रोड। सात्विक चेतना के प्रति उत्तरदायित्व का निर्धारण और संधारण निश्चित रूप से आत्मिक परिष्कार में भागीरथ प्रयास द्वारा अध्यात्म – पुरुषार्थ की पूर्णता हेतु निरंतर जतन का सफल परिणाम है जिसमें पवित्र स्वरूप की वास्तविक मनोवृति से राजयोग-मौन की उच्चता को प्राप्त किया जा सकता है। श्रेष्ठतम गति, मति और सुमति के माध्यम से आत्मिक पवित्रता के प्रकंपन को चहुं दिशाओं अर्थात संपूर्ण आभामंडल को खुशबूदार बनाते हुए मानवतावादी चिंतन में अंतर्मन द्वारा सर्वे भवंतु सुखिन की व्यापकता को स्वीकार करके अध्यात्मवादी चैतन्यता की भावनात्मक सृष्टि से वसुधैव कुटुंबकम की विराट उच्चता पर आत्मतत्व को चेतना के उच्च दर्शन से पुनर्स्थापित किया जा सकता है।

आत्मगत स्वभाव द्वारा सात्विक सुमति...

मानव जीवन में उच्चता की ओर अग्रसर होने की मूलभूत प्रवृत्ति से संबंधित वास्तविक प्रकृति सदा आत्मगत स्वभाव में सात्विक सुमति द्वारा नियम–संयम से संचालित होती रहती है, जिसमें नैसर्गिक परिदृश्य की गहन साधना से जप-तप के प्रति अंतःकरण से जुड़ाव का पवित्र स्वरूप स्वयं को अनुशासित बनाए रखने में मददगार सिद्ध होता है। स्वयं को जानने की अभिलाषा व्यक्तिगत पुरुषार्थ में एक नवीन आयाम को स्थापित करते हुए जब गतिशील होती है तब आत्मिक स्वरूप में एकाग्र चित्त द्वारा ध्यान-धारणा की दिशा में अनुगमन सुनिश्चित हो जाता है और चेतना की चेतनता से युक्त पक्ष जिज्ञासु प्रवृत्ति की आंतरिक उत्कंठा से स्वाध्याय-सत्य की प्राप्ति में श्रद्धापूर्वक संबद्ध होकर समर्पित हो जाते हैं।

आत्मिक स्वरूप में कल्याणकारी दृष्टिकोण...

आत्म उत्थान के मार्ग पर बढ़ते हुए अंतर्जगत, पूर्णतः अभिप्रेरणा से भरपूर हो जाता है जिससे गतिशील जीवन में जागृत चेतना द्वारा प्रेम-अहिंसा के मूल्यपरक सिद्धांत एवं व्यवहार प्रस्फुटित होते हैं और आत्मिक स्वरूप में कल्याणकारी दृष्टिकोण की सार्थक सिद्धि से धर्म-कर्म के मार्ग को श्रेष्ठतम विधि के माध्यम से जीवन में प्रशस्त किया जा सकता है। सात्विक चेतना के प्रति उत्तरदायित्व का निर्धारण और संधारण निश्चित रूप से आत्मिक परिष्कार में भगीरथ प्रयास द्वारा अध्यात्म-पुरुषार्थ की पूर्णता हेतु निरंतर जतन का सफल परिणाम है जिसमें पवित्र स्वरूप की वास्तविक मनोवृति से राजयोग-मौन की उच्चता को प्राप्त किया जा सकता है।

अध्यात्मवादी चैतन्यता से भावनात्मक सृष्टिः जीवन में प्रार्थना और साधना की शक्ति से भाव एवं विचार जगत के सानिध्य में आत्म जगत को भी महत्ता प्रदान की जाती है जिससे ज्ञानेंद्रियों एवं कर्मेंद्रियों का विशिष्ट योगदान समाजवादी अवधारणा में संतुष्टि द्वारा सर्व धर्म समभाव के स्वरूप को अनुभव करते हुए साम्यवादी विचारधारा की व्यावहारिक पृष्ठभूमि से सर्व जन हिताय की संकल्पना को पूर्णता प्रदान किया जाता है।

गौरवान्वित चेतना का परिष्कृत आभामंडलः आत्मिक पवित्रता के माध्यम से जीवात्मा को जब उच्च दर्शन की चैतन्यता का बोधगम्य स्वरूप, जीवन के व्यावहारिक पक्ष के अंतर्गत रूपांतरित होते हुए क्रियान्वित होता है तब आत्मिक अनुभूति, नैसर्गिक स्वरूप में उच्चतम स्तर से प्रतिबिंबित होती है और चेतना स्वयं के गौरवान्वित आभामंडल से निरंतर परिष्कृत रूप में नवीनता युक्त गतिशीलता को प्राप्त होती है। आत्म जगत का गुणात्मक पक्ष सदा स्वयं की विराटतम स्वीकारोक्ति को आत्मगत-स्वमान, स्वरूप एवं स्वभाव के संदर्भित प्रसंग में नैसर्गिक रूप से सूक्ष्म विश्लेषण करने का प्रयास करता है जिससे आत्मसम्मान की विशिष्ट शैली, विभिन्न स्थितियों में भी आत्म तत्व के अजर, अमर, अविनाशी, अचल-अडोल तथा स्थितप्रज्ञ स्वरूप में विद्यमान रहती है।

"स्वयं से लड़ो बाहर दुश्मन से क्या लड़ना। वह जो स्वयं पर विजय प्राप्त कर लेता है उसे आनंद की प्राप्ति होती है।"

महावीर स्वामी, जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर

"जैसे बिना आग के मोमबत्ती नहीं जल सकती है, ठीक उसी तरह बिना अध्यात्मिक ज्ञान के इंसान नहीं रह सकता है।"

गौतम बुद्ध, बौद्ध धर्म के संस्थापक

युवा से लेकर बुजुर्गों ने लिया पीएचडी डिग्री प्रोग्राम में एडमिशन

पीएचडी के लिए 200 से अधिक स्टूडेंट ने सीखी यौगिक साइंस की बारीकियां

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के शिक्षा प्रभाग द्वारा चलाए जा रहे पीएचडी डिग्री प्रोग्राम में युवा से लेकर बुजुर्ग उत्साह दिखा रहे हैं। यौगिक साइंस में पीएचडी के लिए स्टूडेंट को बारीकियां सिखाईं गईं। दूरस्थ शिक्षा प्रभाग द्वारा आठ दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम (ट्रेनिंग कोर्स प्रोग्राम फॉर पीएचडी) मनमोहिनीवन कॉम्प्लेक्स में आयोजित किया गया। इसमें देशभर से विभिन्न आयु वर्गों के युवा से लेकर ब्रह्माकुमार भाई-बहनें, प्रोफेशनल्स, गृहिणी और बुजुर्ग स्टूडेंट बनकर पीएचडी के दौरान किन बातों का ध्यान रखें आदि बारीकियां सीखीं। ट्रेनिंग में डिग्री प्रोग्राम की सहयोगी मनिपाल इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के एक्सपर्ट द्वारा ट्रेनिंग दी गई।

मप्र हाईकोर्ट के न्यायाधीश राजेंद्र कुमार शर्मा ने कहा कि यौगिक साइंस में पीएचडी करने से निश्चित रूप से योग और अध्यात्म की गहराइयों में जाने का अवसर स्टूडेंट को प्राप्त होगा। मणिपुर इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. डॉ. हरिकुमार ने कहा कि मूल्य एवं अध्यात्म में पीएचडी डिग्री प्रोग्राम शुरू करने के पीछे यही मकसद है कि समाज में जो तेजी से मूल्यों का क्षरण हो रहा है उसे रोका जा सके। नई पीढ़ी को मूल्य शिक्षा, योग और अध्यात्म की शिक्षा को रिसर्च के माध्यम से दिया जा सके। ट्रेनिंग के दौरान एजुकेशन, सोसलॉजी और मैनेजमेंट आदि के स्टूडेंट भी भाग ले रहे हैं।

अन्नामलाई यूनिवर्सिटी मदुरई के योगा स्टडीज डिपार्टमेंट के निदेशक डॉ. सुरेश कुमार मुरदेशन ने कहा कि आशा है कि स्टूडेंट यौगिक साइंस में पीएचडी डिग्री पूरी करने के बाद इसका लाभ समाज तक पहुंचाएंगे। शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष डॉ. मृत्युंजय भाई ने कहा कि आप सभी नए-नए टॉपिक पर रिसर्च के माध्यम से योग और अध्यात्म की नई गुत्थियों को सुलझाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। दूरस्थ शिक्षा निदेशक डॉ. बीके पांड्यामणि, डॉ. ईवी स्वामीनाथन भाई ने भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

ओरिया और सालगांव में सौ से अधिक पौधे रोपे

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान। ब्रह्माकुमारीज़ और ग्राम पंचायत की ओर से ओरिया ग्राम पंचायत में लगातार विकास कार्य जारी हैं। इसी कड़ी में विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण किया गया। सड़क के दोनों ओर लगाए गए पौधों के साथ जालियां भी लगाईं गईं हैं, ताकि जानवरों से सुरक्षा हो सके। वहीं पौधों के रखरखाव की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत निभाएगी। कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा बीके सरला दीदी, उपाध्यक्ष राजयोगी बीके राजू भाई, सरपंच शारदा देवी मुख्य रूप से मौजूद रहे।

कैड प्रोग्राम का शुभारंभ, देशभर से पहुंचे हैं हृदयरोगी

योग में सर्व समस्याओं का समाधान : दादी

आबू रोड/राजस्थान।

परमात्मा हम सभी मनुष्य आत्माओं के परमपिता हैं। परमात्मा से योग लगाने से आत्मा में दिव्य गुण और शक्तियां जागृत होने लगती हैं। आत्मा सुख, शांति, आनंद, प्रेम, पवित्रता की अनुभूति करती है। राजयोग मेडिटेशन के प्रयोग से सभी तरह की मानसिक समस्याओं से समाधान मिल जाता है। आप सभी भाई-बहनों का परमात्मा के घर में स्वागत है। यहां सभी दस दिन तक शिविर में बताईं गईं बातों को जीवन में धारण करेंगे तो आपकी बीमारी दूर हो जाएगी। तन और मन दोनों स्वस्थ होंगे।

उक्त उद्गार मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने व्यक्त किए। मौका था ब्रह्माकुमारीज संस्थान के मनमोहिनी परिसर के ग्लोबल ऑडिटोरियम में दस दिवसीय श्रीडी कैड प्रोग्राम के शुभारंभ का। दादीजी ने कहा कि अपनी जीवन की समस्याओं को परमात्मा शिव बाबा पर अर्पित कर हल्के रहेंगे तो सब बीमारियों से मुक्त रहेंगे। तनाव से ही सब बीमारियां होती हैं। ग्लोबल हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. प्रताप मिड्ढा ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान का प्रयास है कि लोगों के जीवन से मानसिक और शारीरिक समस्याओं को दूर करना। मेडिकल विंग के कार्यकारी सचिव डॉ. बनारसी लाल ने कहा कि मेडिकल विंग द्वारा देशभर में नशा मुक्त भारत अभियान चलाया जा रहा है। इससे जुड़कर लोग नशा छोडऩे का संकल्प ले रहे हैं। श्रीडी कैड प्रोग्राम के डायरेक्टर डॉ. सतीश गुप्ता ने कहा कि इस प्रोग्राम से आपके जीवन में नई रोशनी मिलेगी। कई ऐसे मरीज हैं जिन्होंने इस प्रोग्राम को अटेंड करने के बाद एंजियोग्राफी नहीं कराई पड़ी।

मेडिकल विंग की ओर से सिरोही जिले के नशामुक्त भारत अभियान के वालेंटियर का प्रशिक्षण आयोजित

मेडिटेशन से नशा छोड़ने के लिए दवाई की भी जरूरत नहीं

आबू रोड/राजस्थान।

मेडिटेशन में इतनी शक्ति है कि यदि हमने इसे जीवन में अपना लिया तो नशा छोड़ने के लिए किसी तरह की दवाई की भी जरूरत नहीं है। जब हम आत्मनिरीक्षण, आत्म चिंतन करेंगे तो नशा अपना आप छूट जाएगा। यह मानसिक और शारीरिक दोनों तरह से हानिकारक है। यदि आप नशा करते हैं और इसे छोड़ना चाहते हैं तो सबसे पहले यह देखना होगा हम नशा किन परिस्थितियों में करते हैं और कब-कब करते हैं, क्यों करते हैं।

उक्त उद्गार आबू रोड तहसीलदार रायचंद देवासी ने व्यक्त किए। मौका था ब्रह्माकुमारीज संस्थान के मेडिकल विंग की ओर से मनमोहिनीवन परिसर स्थित ग्लोबल ऑडिटोरियम में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का। इसमें सिरोही जिले के नशामुक्त भारत अभियान से जुड़े वालेंटियर, समाजसेवी, डॉक्टर और ब्रह्माकुमार भाई-बहनों के लिए लोगों को नशा कैसे करें, काउंसलिंग आदि बातों को लेकर टिप्स दिए गए।

ग्लोबल हॉस्पिटल माउंट आबू के निदेशक डॉ. प्रताप मिड्ढा ने कहा कि सभी संकल्प करें कि आज से न हम खुद नशा करेंगे और न ही अपने परिवार और आसपास के लोगों को नशा करने देंगे। आप लोगों के बीच एक मिसाल बन जाएंगे तो उन पर भी प्रभाव पड़ेगा। मेडिकल विंग के कार्यकारी सचिव डॉ. बनारसी लाल ने कहा कि मेडिकल विंग पूरे जीजान से नशामुक्त भारत अभियान को सफल बनाने में जुटा हुआ है। पीआरओ बीके कोमल ने कहा कि सिगरेट के धुएं में 36 प्रकार के हानिकारक रसायन होते हैं जो धीरे-धीरे हमारे शरीर को अंदर से खोखला कर देते हैं। डॉ. कनक श्रीवास्तव ने भी संबोधित किया। संचालन डॉ. गोमती अग्रवाल ने किया। आभार बीके अर्चना बहन ने माना।

दवा लेकर और मेडिटेशन सीखकर नशामुक्त हो सकेंगे लोग

मानपुर में ब्रह्माकुमारीज़ का नि:शुल्क होम्योपैथिक नशामुक्ति केंद्र शुरू

आबू रोड/राजस्थान।

मानपुर में ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र पर निःशुल्क होम्योपैथिक नशामुक्ति केंद्र शुरू किया गया है। अब कोई भी व्यक्ति जो नशे की गिरफ्त में है और इससे मुक्त होना चाहता है तो सेवाकेंद्र पर जाकर राजयोग मेडिटेशन सीखने के साथ होम्योपैथी दवा के सहयोग से इससे दूर हो सकता है। सामाजिक दायित्व निभाते हुए संस्थान के मेडिकल विंग की ओर से यह नशामुक्ति केंद्र शुरू किया गया है, ताकि आबू रोड नगर सहित आसपास के गांवों के लोगों को इसका लाभ मिल सके।

नगर पालिका अध्यक्ष मदनदास चारण ने कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है। आज इसकी चपेट में सबसे ज्यादा युवा पीढ़ी है। तंबाकू और शराब के सेवन से तन के साथ मन भी बीमार हो जाता है। ऐसे में ब्रह्माकुमारीज की ओर से समाजहित में यह नशामुक्ति केंद्र खोलना सराहनीय प्रयास है। जनकपुरी महाराज ने कहा कि अध्यात्मिक ज्ञान लेने और मेडिटेशन सीखने के साथ दवा लेने से लोग नशे से दूर हो सकेंगे। वास्तव में नशा करना विकृत मानसिकता का परिणाम है। यदि सोच को सकारात्मक बनाएंगे तो नशा अपनेआप छूट जाएगा। संयुक्त व्यापार महासंघ अध्यक्ष अशोक अग्रवाल ने कहा कि अनेक अपराधों की जड़ नशा है। नशे के कारण समाज में कई परिवार तबाह हो जाते हैं।

मेडिकल विंग के कार्यकारी सचिव बीके डॉ. बनारसी लाल ने कहा कि देशभर में राष्ट्रव्यापी अभियान चलाकर दस करोड़ लोगों को नशामुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है। सेवाकेंद्र की संचालिका बीके भारती दीदी ने राजयोग मेडिटेशन का महत्व बताया। बीके सीमा दीदी ने सभी को राजयोग के माध्यम से गहन शांति की अनुभूति कराई।

भगवान का आंदोलन- भारत को स्वर्णिम बनाना

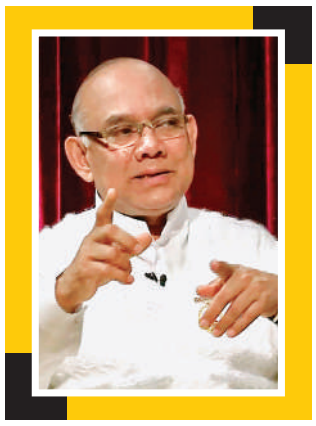

- अमृतवेला उठकर रोज नए-नए स्वमानों का अभ्यास करें और उसकी अनुभूति भी करें

समस्या- समाधान राजयोगी बीके सूरज भाई, माउंट आबू

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

राजयोग मेडिटेशन है स्वयं को सुप्रीम पॉवर से जोड़ने का। भगवान ऊर्जा का सर्वोच्च स्रोत है जिससे सारे संसार को ऊर्जा मिल रही है। इसलिए निराकार है, क्योंकि जो सत्ता जितनी सूक्ष्म होती है उतनी ही पॉवरफुल होती है। यदि हम भी स्वयं को भगवान से जोड़ेंगे तो हम भी शक्तिशाली हो जाएंगे। जिस शक्ति की हम चर्चा करते हैं कि मनुष्य को पॉवरफुल होना चाहिए वह शक्ति हमारे मन में रहती है। आत्मा में दो महत्तवपूर्ण शक्तियां हैं मन और बुद्धि। बुद्धि में विवेक भरता है और शक्तियां भरती हैं। मन में शक्तियां निवास करती हैं इसलिए इसे मनोबल कहते हैं। हमारी सारी पॉवर मन में रहती हैं।

हमें अपने मन को शक्तिशाली बनाने की विधि सीखनी है ताकि जीवन में या परिवार में कुछ भी हो जाए दिमाग पर नकारात्मक प्रभाव ना पड़े। जब मन में नकारात्मक और व्यर्थ विचार अधिक चलने लगते हैं तो मन की शक्तियां नष्ट हो जाती हैं। हम सर्वशक्तिवान पिता की संतान हैं इसलिए हम भी शक्तिवान हैं। स्वयं को भ्रकुटी में स्थित शक्तिशाली आत्मा अनुभव करना है और महसूस करना है कि मुझ आत्मा से शक्तियों कि लाल प्रकाश की ऊर्जा चारों ओर फैल रहीं हैं। ये ऊर्जा हमारे चारों ओर एक आभामण्डल का निर्माण करती है।

मनुष्य के पास इतनी पॉवर है वह अपने भाग्य का स्वयं निर्माता है। रोज सवेरे उठने के बाद 10 मिनट का समय बहुत महत्त्वपूर्ण होता है क्योंकि उस समय हमारा अवचेतन मन जाग्रत अवस्था में होता है। हमें अपने कार्यों की सफलता के लिए मानसिक ऊर्जा की अति आवश्यकता होती है। हम बहुत पॉवरफुल हैं ये अभ्यास यदि सवेरे उठते ही 7 बार कर लिया जाए तो हमारी घबराहट समाप्त हो जाएगी। यदि ये अभ्यास करते रहते हैं तो स्वयं को बहुत ऊर्जावान और शक्तिशाली अनुभव करेंगे।

संकल्पों का प्रकृति पर पड़ता है प्रभाव

अपने मित्र-संबंधियों को पारिवारिक संबंध मधुर बनाने की कला सिखानी है। जैसे-जैसे हम भौतिक विकास में आगे बढ़ रहे हैं जीवन में सुख लोप होता जा रहा है, संबंधों का प्यार समाप्त होता जा रहा है। संसार दो चीजों से मिलकर चल रहा है- पुरूष यानी आत्मा और प्रकृति। हम जो संकल्प करते हैं उसकी तरंगें प्रकृति में पहुंचती हैं। प्रकृति और हमारे विचारों के बीच निरंतर प्रतिक्रिया चलती रहती है। इसका प्रभाव प्रकृति पर पड़ता है।

सुबह मोबाइल फोन का प्रयोग न करें

सवेरे उठते ही मोबाइल फोन का प्रयोग और अखबार आदि नहीं पढ़ना है। उठते ही वो संकल्प करना है जो हम पाना चाहते हैं। हमें सफलता चाहिए तो संकल्प करें कि मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूं और सफलता मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है। हमें जो ईश्वरीय ज्ञान मिल रहा है उसमें सिखाया जाता है कि हम अपनी शुभ भावनाओं द्वारा शत्रु को भी अपना मित्र बना सकते हैं। हमें सबको जरूरत है स्वयं को अध्यात्मिक शक्ति से भरपूर करना। सबकी मन व बुद्धि की ऊर्जा सारा दिन कार्य करने में बहुत खर्च होती है। जैसे हम भोजन करते हैं, पानी पीते हैं ताकि शरीर को सारा दिन कार्य करने के लिए ऊर्जा मिलती रहे, अन्यथा शरीर की क्षीण हो जाएगी। उसी प्रकार मन व बुद्धि को भी कार्यरत रखने के लिए आत्मिक ऊर्जा की आवश्यकता होती है। इसलिए योग की शक्ति द्वारा आत्मा को चार्ज करना है तब जीवन में आनंद का अनुभव कर सकेंगे। हमें अपने मनोबल को बढ़ाकर रखना है। अगर मन में शक्ति है तो जीवन में आने वाली हर परीक्षाओं को हंसते-हंसते पास कर लेंगे। अब स्वयं भगवान ने भारत को स्वर्णिम भारत बनाने का आंदोलन शुरू किया है और उसमें हम सबको सहयोगी बनना है। ये काम केवल सरकार का नहीं है। जब राजनीतिक और अध्यात्मिक शक्ति दोनों साथ मिलकर काम करेंगी तब यह काम हो सकता है। इसलिए हम सबको मिलकर इस आंदोलन में हिस्सा लेना है। आध्यात्मिक शक्ति को स्वयं में भर लेने से बुद्धि दिव्य हो जाती है। संसार में जिस तरह से मानसिक समस्याएं बढ़ रहीं हैं उसमें लोगों की मदद करनी है।

स्व प्रबंधन राजयोगिनी ऊषा दीदी, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका, माउंट आबू

सहयोग देना ही सहयोग लेना है, सदा सहयोगी बनें

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

कोई व्यक्ति कभी-कभी सोचता है कि वह सबकुछ कर सकता है लेकिन फिर भी वह एक परिवार में रहता है, समाज में रहता है तो उसे समय प्रति समय दूसरों के सहयोग की आवश्यकता रहती है। जितना उसके व्यवहार में मधुरता, स्नेह, दूसरों के प्रति सम्मान एवं सहयोग की भावना होती है उतना वह सबका दिल जीत लेता है और वक्त एक जैसा नहीं रहता, आज अच्छा है तो कल बुरा वक्त भी आ सकता है। ऐसे समय में उसे सहयोग मांगने की जरूरत नहीं पड़ती क्योंकि हर कोई उसके पास मदद करने के लिए हाजिर हो जाता है।

कहा जाता है सहयोग कि मांगने से नहीं मिलता लेकिन सहयोग देने से सहयोग मिलता है। हम किसी को सहयोग देते हैं तो हमें भी जब सहयोग की आवश्यकता होती है तो वह देते हैं और इसके लिए मन में नफरत और द्वेष भावना को पनपने न दें। नफरत और द्वेष की भावना हमें एक-दूसरे से दूर ले जाती है और सम्बंधों में ऐसी गांठ बना देती है जो कभी हमें एक-दूसरे के समीप भी आने नहीं देती। उन गांठों को खोलने का सहज तरीका है सहयोग की भावना को विकसित करें, उसके बाद हम सहयोग के चमत्कार को जीवन में अनुभव कर पाएंगे। विस्तार को संकीर्ण करने की शक्ति को विकसित करने के लिए जीवन में न्यारापन एवं अन्तर्मुखता के गुणों को धारण करने से हम लोभ वृत्ति पर विजय प्राप्त कर सकते हैं। भारत में देवी-देवताओं को किसी-न-किसी वाहन पर विराजमान दिखाते हैं। इसका कारण यह है कि सभी पशु-पक्षियों में कोई-न-कोई विशेषता है जिसे हमें भी अपने जीवन में धारण करने की आवश्यकता है। ऐसी ही भोलेनाथ के मंदिर में दरवाजे पर कछुआ रखा होता है। कछुए की विशेषता यह है कि वह अपने अंगों को विस्तार में भी ला सकता है और संकीर्ण भी कर लेता है। जब उसे कर्म करना है तब वह अपनी इंद्रियों को विस्तार में लाता है और जब वह कोई खतरा देखता है तो अपनी इंद्रियों को संकीर्ण कर लेता है। वास्तव में इससे हमें यह प्रेरणा मिलती है कि हमें भी अपनी कर्मेन्द्रियों को जब कर्म करना है तो विस्तार में आना है और जब कर्म पूरा हो तो अपनी कर्मेन्द्रियों को समेट लेना है और अंतर्मुखी स्थिति में स्थिति होना है या जहां कोई खतरे का आभास हो तो वहां से न्यारे हो जाना ही समझदारी है। आज संसार में मनुष्यों के सामने अनेक समस्याएं प्रकट होती रहती हैं। व्यक्ति के जीवन में कोई एक दिन ऐसा नहीं होगा जिस दिन के लिए वह कहे कि आज कोई समस्या नहीं आई और उसमें से कई समस्याएं उसकी खुद की निर्मित की हुई होती हैं। वह भी खासकर जब वह अधिक वाचाल हो जाता और न बोलने वाली बातें बोल देता, फिर जब वही बातें उसके सामने किसी-न-किसी प्रकार की समस्या को ले आती हैं तब कई बार व्यक्ति पछताता है कि इससे तो नहीं बोलते थे तो ज्यादा अच्छा होता परन्तु क्या करें? तभी तो कहा जाता है कि अंतर्मुखी सदा सुखी और बाह्यमुखी सदा दुखी। कभी-कभी व्यक्ति को यह महसूस ही नहीं होता कि उसकी बोली हुई बातें बढ़ते-बढ़ते कैसे बात का बतंगड़ बन जाती हैं।

अध्यात्म की उड़ान डॉ. सचिन, राजयोग एक्सपर्ट, माउंट आबू

दुख करना छोड़ें, जो हमारे साथ हो रहा है वही सत्य है

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

विकट परिस्थिति में की स्थिरता हो। जो कुछ हो गया उसे कितना जल्दी हम स्वीकार कर लेते हैं उस पर हमारा पुरूषार्थ निर्भर करता है। जिस व्यक्ति ने अपने जीवन में हई घटनाओं को अभी तक स्वीकार नहीं किया है वो अन्दर से उतना दुखी है। कोई ऐसी असाध्य बीमारी जो हो गई है और व्यक्ति उसे अस्वीकार करता है, दुखी रहता है। कोई ऐसी घटना या कोई ऐसा मित्र जिसने धोखा दे दिया है, अस्वीकार करता है। कोई ऐसी बात जो हमारे साथ हुई है, अन्याय सी लगती है, अस्वीकार करता है। हमारे भाग्य की लकीर या ब्राह्मण परिवार में किसी भी आत्मा के भाग्य की लकीर एक-दूसरे को नहीं काटती। इसलिए जो हमारे साथ हो रहा है वही सत्य है, वही होना चाहिए।

ऐसी भावनात्मक स्थिरता ये लक्षण है एक राजा का। एक राजा स्थिर होता है, राजा होता है अपने शरीर का, अपने मन का, अपनी बुद्धि का, अपनी भावनाओं का। सबकुछ नियंत्रण में है। यदि राजा ही हिल जाए तो क्या कहेंगे। शरीर पर नियंत्रण से ज्यादा मन पर नियंत्रण आवश्यक है। भावनाओं पर नियंत्रण उससे अधिक सूक्ष्म है, संस्कारों पर नियंत्रण उससे भी अधिक सूक्ष्म है। विचार, भावनाएं, संस्कार तीनों को जो नियंत्रित करता है वो है राजा।

महाभारत में बाणों की शैया पर लेटे हुए भीष्म राजा का वर्णन करते हुए कहते हैं कि एक राजा में 36 गुण होते हैं। बहुत सूक्ष्म-सूक्ष्म बाते हैं। चाणक्य ने भी राजा में कौन से गुण होने चाहिए इसका वर्णन किया है। राजा अपने रहस्य किसी के साथ साझा नहीं करता है। राजा सबसे प्रेम से व्यवहार करता है फिर भी जो कर्मचारी हैं उनसे सूक्ष्म दूरी बनाकर रखता है। नहीं तो जो कर्मचारी हैं वो धीरे-धीरे स्वयं को ही राजा समझने लगेंगे, ये राजा के लिए हानिकारक है। ऐसी अनेक सूक्ष्म-सूक्ष्म बातें हैं एक राजा का प्रशासन कैसा होना चाहिए, व्यवहार कैसा होना चाहिए- बड़ों के साथ, स्त्रियों के साथ। विपदा के समय प्रजा से कैसा प्रेम होना चाहिए, कितना संतुलित उसका जीवन होना चाहिए। राजा अर्थात सदा देने वाला। ये सभी गुण लिखे हुए हैं। ब्राह्मण परिवार एक अलौकिक राज्य दरबार है। ये दरबार न्यारा-प्यारा, निराला, श्रेष्ठ और अलौकिक है। किसी के प्रति भी घृणा भाव न हो, चाहे कोई कैसा भी हो, कितना ही अपकार करने वाला हो। तपस्या की परिभाषा ही है जो असंभव सा दिख रहा हो उसको संभव कर देना। जब भी तपस्या करते हैं एक संकल्प करें और की हुई तपस्या का फल सारे संसार में बांट दें।

अध्यात्म में बांटने से बढ़ता है

मुरली सुनते ही एक संकल्प जो ज्ञान मेरे अन्दर गया इसके प्रकंपन सारे विश्व में फैल रहे हैं। भोजन कर रहे हैं उसका एक-एक निवाला विश्व की एक-एक आत्मा तक पहुंच गया। इस सृष्टि पर कोई भूखा ना रहे, कल्प वृक्ष के नीचे बैठकर भोजन कर रहा हूं। दिनभर जो सेवा करते हैं उस सेवा का फल सारे विश्व को समर्पित कर दो। अध्यात्म और संसार में एक फर्क है संसार में बांटने से घटता है और अध्यात्म में बांटने से बढ़ता है।

ज्ञान सरोवर में न्यायविद प्रभाग का अखिल भारतीय जूरिस्ट सम्मेलन आयोजित

आत्मा को सशक्त और जाग्रत करके ही संसार को सामाजिक न्याय दे पाएंगे

माउंट आबू (राजस्थान)।

ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञान सरोवर में न्यायविद प्रभाग द्वारा अखिल भारतीय जूरिस्ट सम्मेलन का आयोजन किया गया। अध्यात्मिक सशक्तिकरण द्वारा न्यायविदों का उत्कर्ष विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में देशभर से न्यायाधीश, वरिष्ठ एडवोकेट और न्याय व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

ब्रह्माकुमारीज़ के अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन भाई ने कहा कि जो हमारे पास होगा, हम दुनिया को वही दे पाएंगे। बिना किसी भेद भाव के हमें सभी को शुभ भावना-शुभकामना देनी है। हम सभी देखते हैं की देवताएं हमेशा देने की मुद्रा में अपना हाथ सामने रखते हैं। देवताओं के इसी दातापन के कारण पूरी दुनिया में उनकी पूजा होती है। ज्यूरिष्ट विंग की अध्यक्ष बीके पुष्पा दीदी ने कहा कि सशक्तिकरण के लिए अध्यात्मिकता की अनिवार्यता है। अध्यात्मिकता के माध्यम से ही कोई भी अपने जीवन को मूल्यवान बना कर न्याय प्रदान कर पाएगा।

ओडिशा हाईकोर्ट के जज बीडी सारंगी ने कहा कि सामाजिक न्याय के लिए ज्यूडिशियल सिस्टम का सशक्तिकरण होना चाहिए। मैं अनुरोध करता हूं कि न्यायविदों को समयबद्धता का पालन करना चाहिए। तब लोगों का उन पर विश्वास बढ़ेगा। न्यायविदों को हर प्रकार के माया और मोह से खुद को दूर रखना चाहिए। एम्पॉवरमेंट की यह पहली शर्त होगी। विंग की नेशनल कोऑर्डिनेटर बीके लता बहन ने मेहमानों का स्वागत किया।

जूरिस्ट विंग की नेशनल कोऑर्डिनेटर डॉ. रश्मि ओझा ने कहा कि जब इंसान अध्यात्मिक रूप से सशक्त होता है, तभी वह जस्टिस कर पाता है। अन्यथा गलतियां होती रहती हैं। सफलता के लिए अध्यात्मिक सशक्तिकरण जरूरी है।

आंध्रप्रदेश हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश वी. ईश्वरैया ने कहा कि भारत के संविधान का लक्ष्य है सभी को सामाजिक न्याय देना। अब जूरिस्ट सामाजिक न्याय किस प्रकार से दे सकेंगे? जब तक सभी अध्यात्मिक रूप से मजबूत नहीं होंगे, ऐसा नहीं हो पाएगा। आत्मा ही सभी कर्मेन्द्रियों को संचालित कर रही है। अतः आत्मा को सशक्त और जाग्रत करके ही हम संसार को सामाजिक न्याय दे पाएंगे। मप्र हाईकोर्ट ग्वालियर खंडपीठ के पूर्व न्यायाधीश बीडी राठी, पंकज घीया ने भी संबोधित किया। संदीप अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन किया। मुख्यालय संयोजिका बीके श्रद्धा बहन ने संचालन किया।

पढ़ाई के साथ हमें बच्चों को संस्कार भी देने हैं: बीके शिवानी दीदी

शिव आमंत्रण, फरीदाबाद/हरियाणा।

ब्रह्माकुमारीज़ के सेक्टर-21 सेवाकेंद्र द्वारा एचपीएससी स्कूल में अध्यात्मिकता मानवता की रक्षक विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें स्कूल के डायरेक्टर सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं सहित 1200 लोग मौजूद रहे। इसमें अंतरराष्ट्रीय प्रेरक वक्ता बीके शिवानी दीदी ने कहा कि हमें स्कूल-कॉलेज के अंदर पढ़ाई के साथ-साथ संस्कार भी देने हैं। क्योंकि आज के समय बच्चे टीचर्स की बात को ज्यादा फॉलो करते हैं। इसलिए हर बच्चे को पढ़ाई के साथ संस्कारों पर भी मार्क्स देना शुरू करेंगे तो बच्चे भी अच्छे संस्कारों पर ध्यान देना शुरू करेंगे। फिर अच्छे संस्कार से अच्छा संसार बनेगा। अतिथि के रूप में पहुंचे सीजीएसटी के डिप्टी कमिश्नर आईआरएस प्रमोद श्योरन ने कहा कि मैं खुद राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास करता हूं और इससे बहुत फायदे हुए हैं। एचपीएससी के प्रदेश अध्यक्ष एसएस गुसियन, उपाध्यक्ष सुरेश चंद्र, महासचिव विपिन राव मुख्य रूप से मौजूद रहे। बीके ऊषा दीदी, बीके प्रीति दीदी ने अतिथियों का सम्मान किया।

नशा मुक्त मध्यप्रदेश अभियान का शुभारंभ

राजयोग से डोपामिन जनरेट होता है

शिव आमंत्रण, इंदौर/मप्र।

ब्रह्माकुमारीज़ के जोनल मुख्यालय ज्ञान शिखर में नशा मुक्त मध्यप्रदेश अभियान का भव्य शुभारंभ समारोह आयोजित किया गया। इसमें नशा मुक्ति भारत अभियान के राष्ट्रीय संयोजक मुंबई के डॉ. सचिन परब ने कहा कि राजयोग मेडिटेशन से डोपामिन जनरेट होता है जो कि मन को नियंत्रित करता है और मनोबल को बढ़ाता है। इस तरह व्यक्ति नशे से मुक्त हो जाता है। प्रभाग के सचिव डॉ. बनारसी लाल ने कहा कि अभियान में दस करोड़ लोगों को नशा मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है।

अतिरिक्त पुलिस निदेशक वरुण कपूर ने कहा कि नशा व्यक्ति के जीवन, परिवार, समाज और देश खोखला करता है। मेडिकैप्स विश्वविद्यालय के कुलपति रमेश मित्तल ने कहा कि माता-पिता अपने बच्चों के साथ संवाद जरूर करें ताकि बच्चा बुरे संग में आकर गलत आदतों का शिकार ना हो। इंदौर जोन की क्षेत्रीय निदेशिका बीके हेमलता दीदी ने कहा कि संस्था राजयोग एवं आत्मिक प्यार देकर युवाशक्ति को मनोबल बढ़ाने का श्रेष्ठ कार्य कर रही है। कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी, राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कमेटी के चेयरमेन डॉ. दिलीप आचार्य, बीके मनीषा बहन ने भी संबोधित किया। संचालन बिलासपुर से पधारीं बीके मंजू दीदी ने किया। शक्ति निकेतन की कन्याओं ने ऐरावत नृत्य प्रस्तुत किया गया। मेडिकल विंग की संयोजक बीके ऊषा दीदी ने आभार माना। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने भी वर्चुअली अपनी शुभकामनाएं दी।

सार समाचार

केंद्रीय राज्यमंत्री अश्विनी कुमार से की मुलाकात

बिलासपुर (छग)। पर्यावरण वन, जलवायु परिवर्तन एवं उपभोक्ता मामले खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय भारत सरकार के केंद्रीय राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे के बिलासपुर प्रवास के दौरान टेलीफोन एक्सचेंज रोड ब्रह्माकुमारीज़ मुख्य शाखा राजयोग भवन की संचालिका बीके स्वाति दीदी, बीके संतोषी दीदी ने मुलाकात की। इस दौरान केंद्रीय मंत्री चौबे ने कहा कि संस्था से जुड़ना श्रेष्ठ भाग्य की बात है। आप बहनों से मिलकर मुझे ऐसे लग रहा है कि मुझे आशीर्वाद मिल गया है। आप लोगों से मिलने मात्र से ही एक सकारात्मक ऊर्जा मिलती है, मुझे सुखद अनुभूति हो रही है। स्वाति दीदी ने संस्था द्वारा जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्त भारत अभियान, रोड सेफ्टी एवं अन्य सेवाओं की गतिविधियों से अवगत कराया। इस मौके पर पूर्व महिला आयोग अध्यक्ष हर्षिता पांडेय, भाजपा जिलाध्यक्ष रामदेव कुमावत, समाजसेवी प्रवीण झा, बीके कमल छाबड़ा भाई, बीके हेमन्त भाई भी उपस्थित थे।

शिव आमंत्रण, नवापारा/राजिम (छग)। अनंत विभूषित महामंडलेश्वर स्वामी यतेन्द्रानंद महाराज हरिद्वार से राजिम क्षेत्र की निदेशिका बीके पुष्पा दीदी और धार्मिक प्रभाग के क्षेत्रीय समन्वयक बीके नारायण भाई ने मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा की जा रहीं अध्यात्मिक, सामाजिक सेवाओं के बारे में स्वामीजी को बताया और माउंट आबू आने का निमंत्रण दिया। स्वामीजी ने कहा कि अध्यात्म के बल से ही दुनिया में बदलाव आएगा। अध्यात्म की शक्ति ही दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति है। ब्रह्माकुमारी बहनें समाज के कल्याण में जुटी हैं।

शिव आमंत्रण, बिलासपुर/छत्तीसगढ़। आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक गुरुदेव श्रीश्री रविशंकर के जन्म दिवस के उपलक्ष में बिलासपुर में आयोजित कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ की संचालिका बीके स्वाति दीदी को समाजसेवा में की जा रहीं सराहनीय सेवाओं पर शॉल, मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस दौरान विधायक शैलेश पांडेय, बेलतरा विधायक रजनीश सिंह, विधायक धरमलाल कौशिक, पूर्व कैबिनेट मंत्री अमर अग्रवाल, पूर्व महिला आयोग अध्यक्ष हर्षिता पांडेय, डॉ. विनोद तिवारी सहित शहर के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

शिव आमंत्रण, झालावाड़/राजस्थान। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र की ओर से नगर में चलाए जा रहे जल जन अभियान का शुभारंभ कलेक्टर आलोक रंजन ने किया। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को जल बचाने की शपथ दिलाई। ब्रह्माकमारी मीना दीदी ने सभी को राजयोग मेडिटेशन के बारे में बताते हुए जल का सदुपयोग करने की सीख दी।

पूरे प्रदेश में युवा प्रभाग की ओर से चलाया जाएगा अभियान

भारत के पास महाशक्ति बनने का अवसर: राज्यपाल सीवी आनंद बोस

शिव आमंत्रण, कोलकाता/पश्चिम बंगाल।

कोलकाता में वाई-20 शिखर सम्मेलन में राज्यपाल ने की शिरकत

ब्रह्माकुमारीज़ के युवा प्रभाग की ओर से आशुतोष जन्म शताब्दी सभागार, भारतीय संग्रहालय में स्वास्थ्य, कल्याण और खेल विषय के तहत वाई-20 शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया। पूरे प्रदेश में वाई-20 थीम पर युवाओं के लिए स्कूल-कॉलेजों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कहा कि भारत के पास महाशक्ति बनने का अवसर है, लेकिन गौरव की यह यात्रा आज से शुरू होती है, अभी शुरू होती है। यह एक स्वस्थ दिमाग, मजबूत लचीलापन और बेहतर इच्छा शक्ति के प्रति प्रतिबद्ध होने के साथ शुरू होता है। उन्होंने स्वास्थ्य और कल्याण को ध्यान में लाने के लिए इस पहल के लिए ब्रह्माकुमारियों और भारतीय संग्रहालय की भी प्रशंसा की।

प्रसिद्ध भारतीय आर्चर और अर्जुन अवार्डी सुश्री डोला बनर्जी ने खेल और जीवन दोनों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्वस्थ और सकारात्मक मानसिकता के महत्व पर बात की। उन्होंने कहा कि युवाओं को शारीरिक और मानसिक फिटनेस बनाए रखने के लिए अपने दैनिक जीवन में खेल की आदतों को शामिल करने की जरूरत है। भारतीय संग्रहालय, कोलकाता के निदेशक अरिजीत दत्ता चौधरी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

परमात्मा से जोड़ता है राजयोग

ब्रह्माकुमारीज़ की पूर्वी क्षेत्र मुख्यालय की निदेशिका बीके कानन दीदी ने कहा कि राजयोग ध्यान स्वयं और परमात्मा के बीच एक कड़ी स्थापित करने का एक सरल साधन है। माउंट आबू से पधारीं शिक्षा प्रभाग की बीके सुप्रिया ने भी संबोधित किया। खेल प्रदर्शनी, पोस्टर प्रतियोगिता आदि प्रदर्शनी लगाईं गईं। सुश्री डोला बनर्जी, भारतीय तीरंदाज वीरेंद्र, मुख्य सूचना आयुक्त, राज्य खाद्य आयोग अध्यक्ष आईएएस सतीश तिवारी, शिक्षा अधिकारी डॉ. सायन भट्टाचार्य ने भाग लिया।

सड़क यातायात के साथ मन के विचारों का

ट्रैफिक कंट्रोल भी जरूरी है

शिव आमंत्रण, रायपुर/छत्तीसगढ़।

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा यातायात विभाग के सिपाहियों को जीवन प्रबन्धन तकनीक सिखाई गई। माइण्ड व मेमोरी मैनेजमेन्ट ट्रेनर ब्रह्माकुमार शक्तिराज सिंह ने यातायात थाने में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि विचारों का हमारे जीवन पर बहुत ही गहरा प्रभाव पड़ता है। हमारे मन के निगेटिव विचार हमें बीमार कर रहे हैं। जैसे आप यातायात को नियंत्रित करते हैं। वैसे ही अब मन के विचारों को भी नियंत्रित करने की जरूरत है। यदि हमारा माइण्ड हमारे कन्ट्रोल में है तो वह हमारा सबसे अच्छा दोस्त होता है। किन्तु कन्ट्रोल में नही होने पर वह सबसे बड़ा दुश्मन साबित होता है। बीती हुई घटना को मन में दबाकर रखने से धमनियों में ब्लॉकेज बनते हैं। उसे भूलना सीखें। कभी भी कार्यालय के तनाव को घर में लेकर न जाएं और न ही घर के तनाव को कार्यालय में लेकर न आएं। इसी प्रकार पहले से ही किसी के प्रति मन कोई गलत धारणा न बनाएं कि यह तो है ही ऐसा आदि। मुस्कुराने से चिन्ता और तनाव खत्म हो जाता है इसलिए बच्चा बन जाईए और मुस्कुराईए।

मन की स्वच्छता भी जरूरी

उन्होंने कहा कि यदि खुश रहना है तो स्वयं को कचरा डिब्बा (डस्टबिन) न बनने दें। सिर्फ बाहरी स्वच्छता से काम नहीं चलेगा। आन्तरिक स्वच्छता भी जरूरी है। ब्रह्माकुमारी संस्थान मन को स्वच्छ बनाने का काम कर रही है। प्रारम्भ में यातायात थाने के उप पुलिस अधीक्षक ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम में बीके रश्मि दीदी, बीके भावना दीदी, बीके नीलम दीदी, बीके महेश भाई सहित पुलिस अधिकारी-जवान आदि उपस्थित थे।

मानवता की सच्ची संरक्षक नारी शक्ति ही है : बीके सोनम

शिव आमंत्रण, छतरपुर/मध्यप्रदेश।

मानवता के संरक्षण के लिए सबसे पहले स्वयं का संरक्षण अर्थात ईर्ष्या-द्वेष नफरत जैसी बुराइयों से स्वयं का बचाव करते हुए स्वयं को सकारात्मक रखना तभी हम अपने परिवार को श्रेष्ठ संस्कार दे सकेंगे और उसी श्रेष्ठ संस्कार वाले परिवार से जब समाज बनेगा तो समाज भी संस्कारी ही होगा। मानवता की सच्ची संरक्षक नारी शक्ति ही है। उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ के किशोर सागर सेवाकेंद्र पर समाज सेवा प्रभाग द्वारा जैन समाज सखी महिला मंडल के लिए मानवता के संरक्षक विषय पर आयोजित कार्यक्रम में गुजरात से पधारीं बीके सोनम ने व्यक्त किए। शुरुआत में सभी का तिलक और वैज द्वारा स्वागत किया गया। जैन समाज सखी महिला मंडल अध्यक्ष ममता जैन, सचिव रेशमा जैन, कोषाध्यक्ष राखी जैन व मातृशक्तियां उपस्थित रहीं। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शैलजा दीदी ने कहा कि अध्यात्मिक ज्ञान हमें ईश्वर से बुद्धि योग जोड़ना सिखाता है। सभी को साहित्य भेंट स्वरूप प्रदान किया गया।

शिव आमंत्रण, द्वारका सेक्टर-12/दिल्ली। ब्रह्माकुमारीज़ के राष्ट्रीय महिला विंग द्वारा चलाए जा रहे पारिवारिक सशक्तिकरण अभियान के तहत अंतर्राष्ट्रीय मदर्स दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें लाल बहादुर शास्त्री कल्याण संगठन की अध्यक्ष औरपूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की पुत्रबधू नीरा शास्त्री, द्वारका शहर समाचार पत्र के निदेशक एमके सिन्हा, महिला विंग की अध्यक्ष बीके चक्रधारी दीदी, बीके भावना दीदी, बीके निशा दीदी, बीके दिव्या दीदी, बीके वंदना दीदी मुख्य रूप से मौजूद रहीं।

शिव आमंत्रण, कांदिवली/मुंबई। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 7वें संयुक्त राष्ट्र वैश्विक सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत वॉकथॉन का आयोजन किया गया। इसमें रैली के रूप में भाई-बहनों ने सड़क सुरक्षा का संदेश दिया। इस मौके पर कांदिवली के ट्रैफिक इंस्पेक्टर ने कहा कि यातायात नियमों का पालन करेंगे तो खुद के साथ दूसरे भी सुरक्षित रहेंगे।

शिव आमंत्रण, बिजावर/छतरपुर/मप्र। बिजावर जेल में जल जन अभियान और व्यसन मुक्त भारत अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बीके रचना दीदी ने कैदी भाइयों को जल का महत्व बताया। बीके छत्रसाल भाई सभी को नशा मुक्त जीवन जीने के उपाय बताएं। बीके प्रीति दीदी ने स्वस्थ रहने के लिए लिए प्रतिदिन मेडिटेशन करने का सुझाव दिया। जेलर मुकेश मांझी ने संस्थान के सेवा कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में 150 कैदी भाइयों ने लाभ लिया।

शिव आमंत्रण, सोनीपत। सेक्टर 15 ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र द्वारा खेवड़ा गांव में पौधारोपण किया गया। साथ ही गांव वालों को 101 पौधे भेंट किए गए। इस दौरान सेवाकेंद्र संचालिका बीके प्रमोद दीदी और बीके दिव्या दीदी ने यौगिक खेती का महत्व बताया।

शिव आमंत्रण, आगरा (आर्ट गैलरी)। न्यू सुरक्षा विहार मदर्स फाउंडेशन हाई स्कूल में विद्यार्थियों को अध्यात्मिकता और नैतिक शिक्षा को लेकर सेमीनार आयोजित किया गया। इसमें बीके रेखा दीदी, बीके भगवती ने बच्चों को मूल्यों का महत्व बताया। प्रधानाचार्या अकांक्षा सिंह ने आभार व्यक्त किया।

नशामुक्त बिहार अभियान का राज्यपाल ने किया शुभारंभ

ब्रह्माकुमारीज़ की सराहनीय पहलः राज्यपाल

शिव आमंत्रण, पटना, बिहार।

भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग एवं ब्रह्माकुमारीज़ के मेडिकल विंग के संयुक्त तत्वावधान में चलाए जा रहे नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत "नशा मुक्त बिहार अभियान" की लॉन्चिंग रविन्द्र भवन में की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्था द्वारा समाजहित में बहुत ही सराहनीय पहल शुरू की गई। इससे निश्चिततौर पर परिवर्तन आएगा। आज समाज में ऐसे अभियानों को चलाने की जरूरत है। उद्योग मंत्री समीर महासेठ, बिहार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी , विश्व हिन्दू परिषद् के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. रविन्द्र नारायण सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

ब्रह्माकुमारीज मेडिकल विंग के सचिव डॉ. बनारसी लाल ने कहा भारत को नशामुक्त बनाने का प्रोग्राम मनुष्य का नहीं है, ये काम स्वयं परमात्मा का है क्योंकि ये भारत जो सोने की चिड़िया थी, देवभूमि थी इस देवभूमि में रहने वालों की दशा क्या हो गई है? गलत रास्ते पर हमारा बहाव तेजी से हो रहा है, इसके लिए अध्यात्म के द्वारा सब के जीवन में जागरूकता लानी होगी। जब तक हम स्वयं को नहीं पहचानेंगे तब तक अपने कर्तव्यों का रियलाइजेशन भी नहीं होगा और हम सरकार के ऊपर, समाज के ऊपर ब्लेम डालते रहेंगे। मुंबई से आए डॉ. सचिन परब ने कहा ब्रह्माकुमारीज़ 30 वर्षों से नशामुक्ति की सेवा कर रहा है। राजयोग मेडिटेशन लाइफस्टाइल केवल नशा नहीं छुड़ाती बल्कि बहुत से बीमारियों को ठीक करने वा रोकने में भी सहायता करती है।

राजयोग से सकारात्मक सोच

पटना सबजोन मुख्य सेवाकेंद्र की संचालिका राजयोगिनी संगीता दीदी जी ने बताया कि राजयोग मेडिटेशन का निरंतर अभ्यास किस प्रकार हमारे सोच को बदल कर सदा के लिए सकारात्मक बनाता है। राजयोग व्यक्ति को ना सिर्फ नशे से बल्कि हर प्रकार की नकारात्मकता से दूर रखता है। संचालन बीके ज्योत्सना दीदी ने किया। बीके डॉ. कीर्ति दीदी ने आभार व्यक्त किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

शिव आंमत्रण, पुणे/महाराष्ट्र। जगदम्बा भवन रिट्रीट सेंटर में दो दिवसीय बच्चों और अभिभावकों का समर कैंप आयोजित किया गया। इसमें बच्चों को क्रिएटिव एक्टीविटीज कराई गईं। साथ ही मूल्यों के विकास और राजयोग मेडिटेशन के बारे में बताया गया। रिट्रीट सेंटर की सह प्रभारी बीके शीतल दीदी, बीके दशरथ भाई ने बच्चों को मोटिवेट किया। बेल कंपनी (नेत्रहीनों के लिए ब्रेल लर्निंग डिवाइस बनाती है) के ब्रांड एंबेसडर 12 वर्षीय थिंकर प्रथमेश सिन्हा ने राजयोग मेडिटेशन से जुड़े अपने अनुभवों से बच्चों को प्रेरित किया।

शिव आंमत्रण, पुंडुचेरी। ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से तंबाकू निषेध दिवस की पूर्व संध्या पर 'नशा मुक्त भारत अभियान' का राज्य स्तरीय शुभारंभ विधान सभा अध्यक्ष एम्बलम सेल्वम, पीडब्ल्यूडी, पर्यटन मंत्री के. लक्ष्मी नारायणन, सरकार के सचिव (कल्याण) आईएएस सी. उदय कुमार, कलेक्टर ई. वल्लवन, समाज कल्याण विभाग के निदेशक ए. कुमारन, सेवाकेंद्र संचालिका बीके कविता दीदी ने किया। इसके पूर्व शहर में जागरूकता रैली निकाली गई।

शिव आमंत्रण, संबलपुर (ओड़िशा)। ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से बुर्ला नर्सिंग कॉलेज में तनाव मुक्त जीवन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें दिल्ली से पधारीं मोटिवेशनल स्पीकर बीके विधात्री दीदी ने विद्यार्थियों और स्टाफ को जीवन में खुश रहने के मंत्र बताए। साथ ही मेडिटेशन अपनाने की सलाह दी। इस दौरान बीके दीपा दीदी, बीके शकुंतला दीदी ने भी संबोधित किया।

शिव आमंत्रण, सिंगरोली/मप्र। ब्रह्माकुमारीज़ के तपोवन कांपलेक्स में संस्कार सृजन समर कैंप कैंप का आयोजन किया गया। उद्घाटन महापौर रानी अग्रवाल ने किया। इस दौरान प्रभारी बीके शोभा दीदी, भोपाल से आए बीके दीपेंद्र भाई, बीके खुशबू दीदी, बीके अर्पणा दीदी, बीके प्रतीक्षा दीदी, साहिबा दीदी ने बच्चों को मनोरंजक तरीके से नैतिक शिक्षा दी और मेडिटेशन सिखाया।

आंतरिक परिवर्तन के लिए स्वयं को पहचानना होगा

शिव आमंत्रण, भोपाल/मप्र।

ब्रह्माकुमारीज़ के होशंगाबाद रोड स्थित ब्लैसिंग हाउस सेवाकेंद्र पर डिजिटल इंडिया से डिवाइन इंडिया विषय सेमीनार आयोजित किया गया। इसमें सेवाकेंद्र संचालिका बीके डॉ. रीना दीदी ने कहा कि आईटी के दो अध्यात्मिक अर्थ है एक है इनर टेक्नोलॉजी। दूसरा इंटरनल ट्रांसफॉर्मेशन। आज व्यक्ति को अपने आत्मा की तकनीक समझकर अपना आंतरिक परिवर्तन करने की आवश्यकता है। आंतरिक परिवर्तन के लिए पहले स्वयं को पहचानना होगा। एवं अपने को परमात्मा की शक्तियों से सशक्त करना होगा। बीके रावेंद्र भाई, कंप्यूटर साइंस के प्रो. डॉ. चिन्मय भट, एमपी पोस्ट के चीफ फाउंडर सरमन नगेले, यूएस टेकरेव कंपनी के पंकज खरे, वीडियो एसडीके डेवलपर पुष्पम सक्सेना, डॉ. दया शंकर पांडे ने भी विचार व्यक्त किए।

सार समाचार

शिव आमंत्रण, सुनाम/संगरूर। पंजाब के सीएम भगवंत मान के नगर आगमन पर ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से बीके मीरा दीदी और बीके कंचन दीदी ने सौगात भेंट की। साथ ही संस्थान द्वारा की जा रहीं सेवाओं की जानकारी देते हुए माउंट आबू आने का निमंत्रण दिया।

शिव आंमत्रण, उचाना/जींद/हरियाणा। उचाना के प्लस प्वाइंट स्कूल में त्रिदिवसीय राजयोग शिविर आयोजित किया गया। इसमें स्कूल के अध्यापक-अध्यापिकाओं को परमात्म सन्देश दिया गया।

शिव आंमत्रण, ब्यावरा/राजगढ़/मप्र। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर सकारात्मक परिवर्तन का वर्ष थीम के अंतर्गत स्वर्णिम भारत का आधार सकारात्मक परिवर्तन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर किसान संघ के संभागीय कार्यकारिणी सदस्य रामसिंह गौड, रिटायर्ड बैंक मैनेजर गिरिराज गुप्ता, रिटायर्ड योगा टीचर रमेशचंद गुप्ता, समाजसेवी प्रताप सिंह सिसौदिया, बाल कल्याण समिति की सदस्य रश्मि तिवारी, जिला प्रभारी बीके मधु दीदी, बीके सुमित्रा दीदी मुख्य रूप से मौजूद रहीं।

शिव आंमत्रण, समस्तीपुर/बिहार। ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र पर आशीर्वचनों की फुहार कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें दिल्ली से पधारीं राजयोगिनी चक्रधारी दीदी ने अपने अध्यात्मिक दिव्य अनुभवों से सभी का मार्गदर्शन किया। इस दौरान जमशेदपुर प्रभारी अंजू दीदी, भागलपुर प्रभारी अनीता दीदी एवं बेतिया प्रभारी अंजना दीदी सहित बड़ी संख्या में भाई-बहन मौजूद रहे।

शिव आमंत्रण, बाढ़/पटना/बिहार। ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्र की ओर से पांच दिवसीय शिविर स्वास्थ्य, समृद्धि और खुशी का रहस्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। शुभारंभ नगर परिषद् के संजय कुमार एवं डॉ. सियाराम ने दीप प्रज्जवलन कर किया। सेवाकेंद्र संचालिका बीके ज्योति दीदी ने कहा कि आज हर मनुष्य को अध्यात्मिकता अपनाने की आवश्यकता है। अध्यात्मिकता अर्थात् सत्यता के आधार से जीवन जीना। संत जोसेफ गर्ल्स हाई स्कूल, सीआईएसफ एनटीपीसी, सीआरपीएफ मोकामा, नाजारथ एकेडमी, डीएवी पब्लिक स्कूल में भी मोटिवेशनल टॉक आयोजित की गई।

हमारे संकल्पों से बनता है जीवन

दुर्ग में आयोजित अलविदा तनाव शिविर में उमड़े शहरवासी

शिव आमंत्रण, दुर्ग/छग।

जो हम बार-बार सोचते हैं, वैसा हमारा जीवन बनता जाता है। हमारे हर संकल्प का प्रभाव जीवन पर पड़ता है। हमारे साथ होने वाली हर घटना के लिए हर संकल्प जिम्मेदार हैं। उक्त बात इंदौर से पधारीं बीके पूनम दीदी ने कही। ब्रह्माकुमारीज़ के राजऋषि भवन, केलाबाड़ी के तत्वावधान में पुरानी गंज मंडी, गंजपारा में नौ दिवसीय अलविदा तनाव शिविर आयोजित किया गया।

उन्होंने कहा कि सुबह उठते ही संकल्प करें कि मैं टेंशन फ्री हूं। मेरा जीवन विघ्नों, तनाव व समस्याओं से मुक्त है। मैं बहुत सुखी हूं। मैं सर्वशक्तिमान परमात्मा की संतान हूं। सभी समस्याओं, तनाव, दुःखों, बीमारियों से भी अधिक शक्तिशाली मैं हूं। मैं भाग्यविधाता बाप का बच्चा बहुत भाग्यवान हूं। ऐसा सोचने से भाग्य के सितारे खुल जाएंगे। परमपिता प्रभु परमात्मा के आशीर्वाद का हाथ मेरे सिर पर है। ईश्वर की शक्तियां मुझमें समां रही हैं। ईश्वर की शक्ति के प्रभामंडल के अन्दर मैं सुरक्षित हूं। उनका वरदान है- सफलता मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है। ये विचार सफलता के सारे दरवाजे खोल देगा। मेरे साथ सबकुछ अच्छा चल रहा है व सब कुछ अच्छा ही होगा। यह समय भी गुजर जाएगा। चाहे कैसा भी समय, दुःख, बीमारी, परिस्थिति चल रही हो सब दिन होत न एक समान। उन्होंने पूरे विश्वास से यह संकल्प करने का आह्वान किया। यह सिर्फ भावना नहीं है मन की साइंस है। यदि ऐसा 21 दिन करेंगे तो तथास्तु का वरदान मिल जाएगा। सेवाकेंद्र संचालिका बीके रीटा दीदी ने बताया कि नगर में 40 वर्षों से मानव मात्र के सेवा में तत्पर हैं। 13 वर्ष से सुराना भवन, गंजपारा में सेवाएं चल रहीं हैं। इस दौरान विधायक अरुण वोरा, महापौर धीरज बाकलीवाल, सहकारी बैंक अध्यक्ष कमल नारायण रुंगटा, राइस मिल एसोसिएशन अध्यक्ष कैलाश रुंगटा, रुंगटा ग्रुप चेयरमैन संतोष रुंगटा सहित हजारों की संख्या में लोगों ने भाग लिया। संचालन बीके रुपाली बहन ने किया।

शिव आमंत्रण, कोटा/राजस्थान। ब्रह्माकुमारीज़ के एमबीएस नगर सेवाकेंद्र में यूडीएच मंत्री शांति कुमार धारीवाल एवं पीसीसी सदस्य अमित धारीवाल पधारे। इस दौरान बीके लक्ष्मी दीदी, बीके ज्योति दीदी, बीके प्रीति दीदी, बीके भावना दीदी, बीके कविता दीदी ने स्वागत कर राजयोग को लेकर चर्चा की। संस्थान द्वारा की जा रहीं सेवाओं के बारे में बताया।

शिव आमंत्रण, बिलासपुर (छग)। ब्रह्माकुमारीज़ के प्रभु दर्शन भवन टिकरापारा सेवाकेंद्र पर उड़ान बाल संस्कार शिविर आयोजित किया गया। इसमें सेवाकेंद्र संचालिका बीके मंजू दीदी ने कहा कि मोबाइल के कारण बच्चों का बचपन खत्म होता जा रहा है। शिविर का मुख्य उद्देश्य बच्चों में स्व अनुशासन के साथ बड़ों के प्रति आदर भाव पैदा करना था।

शिव आमंत्रण, चक्रधरपुर (झारखंड)। ब्रह्माकुमारीज़ पाठशाला में मन पर जीत तो जगतजीत विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें संचालिका बीके मानिनी बहन ने कहा कि संसार में सारा खेल मन का ही है। यदि मन को साध लिया, मन को जीत लिया तो जीवन आसान हो जाता है। जीवन में सारी समस्याएं मन से ही शुरू होती हैं और मन में ही उनका समाधान समाया है। राजयोग से मन के विकार दूर हो जाते हैं।

शिव आमंत्रण, तिंवरी/जोधपुर/राजस्थान। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र द्वारा मदर्स डे पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सेवाकेंद्र प्रभारी बीके बीनू दीदी ने कहा कि हम ईश्वर को मात-पिता, बंधु, सखा कहते हैं। परमात्मा हम मनुष्य आत्माओं के सृजनहार, पालनहार हैं। इसलिए वही हमारा कल्याण कर सकते हैं। इस मौके पर डौकिया हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. केआर डौकिया को स्मृति चिह्न भेंट किया गया।

प्रेस क्लब परिसर में तीन दिवसीय राजयोग ध्यान शिविर आयोजित

योग से आती है जीवन में मधुरता

शिव आमंत्रण, ग्वालियर (मप्र)। ब्रह्माकुमारीज़, ग्वालियर प्रेस क्लब और मध्यप्रदेश पत्रकार संघ के संयुक्त तत्वावधान में त्रिदिवसीय राजयोग ध्यान का आयोजन फूलबाग स्थित प्रेस क्लब परिसर में किया गया। शिविर में बीके प्रहलाद भाई द्वारा राजयोग ध्यान का अभ्यास कराया। साथ ही कुशल योगा एक्सपर्ट अमित ढींगरा द्वारा शरीर को स्वस्थ रखने के लिए योगासन कराए गए। नगर निगम जनसंपर्क अधिकारी मधु सोलापुरकर ने स्वच्छता की शपथ दिलाई। शिविर में बीके प्रहलाद भाई ने कहा कि योग से जीवन में मधुरता आती है। हमारा जीवन सुंदर और श्रेष्ठ बन जाता है। तन-मन को स्वस्थ रखने के लिए योगासन, प्राणायाम, ध्यान अवश्य करना चाहिए। राजयोग ध्यान एक बहुत ही सरल और सहज प्रक्रिया है। अपने मन को शांत और शक्तिशाली बनाने की, इसमें हम मन के द्वारा श्रेष्ठ एवं सकारात्मक चिंतन करते हैं और बुद्धि द्वारा उस चिंतन को चित्रित करते हैं ऐसा करने पर हम अपनी एकाग्रता की शक्ति को बढ़ा सकते हैं। सदैव खुश

रहने के लिए तीन सर्टिफिकेट सभी के पास होना जरूरी है ग्वालियर प्रेस क्लब अध्यक्ष राजेश शर्मा ने शिविर का शुभारंभ किया। सचिव सुरेश शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

सार समाचार

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान। समाज सेवा प्रभाग की ओर से मानसरोवर में चार दिवसीय भट्टी एवं ट्रेनिंग का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी बीके संतोष दीदी, उपाध्यक्ष बीके प्रेम भाई, राष्ट्रीय संयोजक बीके अवतार भाई, अतिरिक्त राष्ट्रीय संयोजिका बीके वंदना दीदी, मुख्यालय संयोजक बीके बीरेंद्र भाई आदि ने दीप प्रज्वलित कर भट्टी का शुभारंभ किया।

शिव आमंत्रण, सिमराही बाजार/सौपाल/बिहार। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र की ओर से हेल्थ अवेयरनेस ट्रेनर सरदार पंकज सिंह से बीके बबीता दीदी, बीके चांदनी दीदी, बीके आस्था दीदी और बीके किशोर भाई ने मुलाकात कर राजयोग मेडिटेशन पर चर्चा की। संस्थान द्वारा सामाजिक उत्थान, सामाजिक कल्याण और समाजसेवा के क्षेत्र में की जा रहीं गतिविधियों से अवगत कराया।

शिव आमंत्रण, श्योपुर/मप्र। ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से श्योपुर गौरव दिवस के अंतर्गत निकली गई रैली में अध्यात्मिक झांकी का प्रदर्शन किया गया। सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके तारा के मार्गदर्शन में शिवलिंग की सुन्दर झांकी सजाई गई। इस दौरान लोगों को परमात्मा शिव एवं उनके अलौकिक कर्तव्यों का परिचय दिया गया। रैली में कलेक्टर शिवम वर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष रेनू गर्ग, पूर्व विधायक दुर्गा लाल, बीजेपी अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में शहरवासियों ने भाग लिया।

शिव आमंत्रण, झालवाड़/राजस्थान। मप्र सीहोर के प्रसिद्ध शिवपुराण कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के नगर आगमन पर ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से बीके मीना दीदी, बीके नेहा दीदी ने स्वागत कर स्मृति चिह्न भेंट किया। साथ ही संस्थान द्वारा की जा रहीं सेवाओं के बारे में बताया। पंडित मिश्रा ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ में सिखाया जाने वाला राजयोग शिव बाबा की महिमा बताता है।

शिव आमंत्रण, इंदौर। ब्रह्माकुमारीज़ के कालानी नगर सेवाकेंद्र पर सात दिवसीय समर कैंप आयोजित किया गया। इसमें बच्चों को पर्सनॉलिटी डवलपमेंट, वैल्यु एजुकेशन और राजयोग मेडिटेशन के बारे में बताया गया। कैंप में बच्चों ने बड़े ही उमंग-उत्साह के साथ भाग लिया। शुभारंभ वार्ड 3 की पार्षद शिखा संदीप दुबे, भाईजी हॉस्पिटल के डायरेक्टर उत्तम जैन, लिटिल अलकेमिस्ट स्कूल की डायरेक्टर मधु जैन, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके जयंती दीदी, बीके सुजाता दीदी ने दीप प्रज्वलित कर किया।

गांव सरपंच सहित अतिथियों ने मिलकर तालाब का नामकरण किया

ओम शांति सरोवर का कायाकल्प करेगी ब्रह्माकुमारीज़

शिव आमंत्रण, राजकोट (गुजरात)।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान और भारत सरकार के जलशक्ति मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे जल जन अभियान के तहत ब्रह्माकुमारीज़ राजकोट द्वारा गढ़का गांव में एक तालाब गोद लिया गया है। राजकोट हैपी विलेज रिट्रीट सेंटर के पास स्थित इस तालाब को गहरा करने की जरूरत है। इस पर संस्थान की ओर से सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए तालाब के संरक्षण और जल संरक्षण के लिए यह कदम उठाया है।

गुजरात जोन की निदेशिका बीके भारती दीदी के मार्गदशन एवं गीरगंगा ट्रस्ट परिवार के सहयोग से इस जलाशय का जीर्णोद्धार किया जाएगा। साथ ही सर्वसहमति से तालाब को 'ओम शांति सरोवर' नाम दिया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी सरला दीदी, ओनर ऑफ़ बालाजी वेफर्स के भीखूभाई विराणी, गीर गंगा ट्रस्ट परिवार के ट्रस्टी दिलीप भाई सखिया, गढका गांव के सरपंच केयूर भाई, सद्भावना वृद्धाश्रम राजकोट के विजयभाई डोबरिया मुख्य रूप से मौजूद रहे। तालाब के सौंदर्यीकरण के भी प्रयास किए जाएंगे।

ये कार्य भी किए जाएंगे

- सभी ने मिलकर निर्णय लिया कि जल्द ही तालाब का गहरीकरण किया जाएगा।
- तालाब के आसपास फलदार पेड़-पौधे लगाए जाएंगे।
- तालाब का सौंदर्यीकरण किया जाएगा ताकि आसपास के लोग यहां आकर सुकून के पल बिता सकें।
- तालाब में अधिक पानी स्टोरेज होने से आसपास के गांव के लोगों के लिए यह उपयोगी साबित होगा।

बीके शकुंतला हिमाचल गौरव पुरस्कार से सम्मानित

शिव आमंत्रण, सुन्नी/हिमाचल प्रदेश।

सुन्नी उपसेवाकेंद्र की संचालिका बीके शकुन्तला दीदी को समाजसेवा में किए गए उल्लेखनीय कार्य के लिए हिमाचल गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार स्वर्णिम हिमाचल जन जागरण समिति के सोलन में आयोजित राज्य स्तरीय सम्मलेन में राजस्व, बागवानी एवं जनजातीय विकास मंत्री जगत सिंह नेगी ने प्रदान किया। इस दौरान प्रदेशभर से आए विभिन्न वर्गों के समाजसेवी कार्यकर्ताओं, जिला प्रशासन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में बीके रेवा दास ने संस्थान का परिचय देते हुए राजयोग मेडिटेशन का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि परमपिता परमात्मा स्वयं इस धरा पर आकर ज्ञान दे रहे हैं। वह मनुष्य को फिर से नर से नारायण और नारी को लक्ष्मी समान दैवीगुण धारण करने की शिक्षा सहज राजयोग का ज्ञान दे रहे हैं।

मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने किया उद्घाटन

दिव्य दर्शन भवन समाज के लिए समर्पित

शिव आमंत्रण, पाटन/गुजरात।

ब्रह्माकुमारीज़ का ऊंझा हाइवे पर नवनिर्मित दिव्य दर्शन भवन को संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने उद्घाटन कर समाज के नाम समर्पित कर दिया। अब यहां से समाज सेवा से जुड़ी सामाजिक सेवाएं की जाएंगी। कार्यक्रम में दादी ने कहा कि यहां से परमात्मा का संदेश जन-जन को दिया जाएगा। लोगों को जीवन जीने की कला सिखाई जाएगी।

पूर्व भाजपा जिला प्रमुख मोहनभाई पटेल ने कहा कि संस्था बहुत अच्छा कार्य कर रही है। किरीटभाई पटेल भी ने अपने विचार व्यक्त किए। दादीजी, बीके सरला दीदी, बीके लीला दीदी, बीके लक्ष्मी दीदी का हार, चुनरी, तिलक और माला से सम्मान किया गया। दादीजी की निज सचिव बीके लीला दीदी ने कहा कि कि नीलम दीदी, सरला दीदी का दृढ़ संकल्प था कि दादीजी के द्वारा ही भवन का शुभारंभ कराया है जो आज पूरा हो गया। यह भवन बहुत सेवा करेगा। कुमारी हीया ने स्वागत डांस किया। बीके नीता दीदी ने संचालन किया। सरहद का साद न्यू पेपर के एडिटर ने दादीजी को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। महागुजरात वीकली पेपर के किरीटभाई ने शॉल से सम्मान किया। मोहनभाई, भवन के जमीन का दाता डॉ. कांतिभाई, विशालभाई ने भी दादीजी का सम्मान किया।

सार समाचार

शिव आमंत्रण, अटलादरा (बड़ोदरा, गुजरात)। अटलादरा सेवाकेंद्र द्वारा 'नशा मुक्त भारत अभियान, जल जन अभियान एवं विश्व पर्यावरण सुरक्षा अभियान के साथ विद्यार्थियों के लिए करियर गाइडेंस सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें बीके अरुण दीदी ने संबोधित किया। अतिथि के रूप में अकोटा विस्तार के चैतन्य देसाई, पुलिस कमिश्नर समरेश सिंह, म्युनिसिपल कॉरपोरेशन के स्टैंडिंग कमिटी चेयरमैन डॉ. हितेन्द्र पटेल, नगर प्राथमिक शिक्षण समिति के वाइस चेयरमैन हेमांग जोशी, आईटीएम वोकेशनल यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. अनिल बिसेन, करियर मार्गदर्शक नितिन परमार मौजूद रहे।

शिव आमंत्रण, नई दिल्ली। हरीनगर सबजोन पर विश्व पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के उपकुलपति प्रो. दीपेंद दास, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के संयुक्त सचिव प्रो. जितेंद्र कुमार त्रिपाठी, योगा और नेचुरोपैथी आयुष मंत्रालय के डायरेक्टर डॉ. रघुवेन्द्र, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शुक्ला दीदी, बीके सरिता दीदी, बीके नेहा दीदी ने मिलकार पौधारोपण किया और सभी को पर्यावरण संरक्षण का संकल्प कराया।

शिव आमंत्रण, कुरुक्षेत्र (हरियाणा)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा तीन दिवसीय हैप्पीनेस एंव मैडिटेशन शिविर आयोजित किया गया। इसमें माउंट आबू से पधारे प्रो. बीके ओंकार भाई ने कहा कि खुशी जीवन का सबसे बड़ा खजाना है। सबकुछ चला जाए लेकिन खुशी नहीं जाए। खुशी गई तो मानो सबकुछ चला गया। इसलिए कुछ भी हो जाए सदा खुश रहें। सभी से म्यूजिकल एक्टिविटी भी करवाई, जिससे चेहरे खिल गए। पूर्व कुमारी गौरी ने स्वागत नृत्य किया। बीके सरोज दीदी ने सभी को राजयोग ध्यान का अभ्यास कराया। इस मौके पर 600 से अधिक नागरिकगण मौजूद रहे।

शिव आमंत्रण, राजापार्क (जयपुर)। ब्रह्माकुमारीज़ के प्रशासनिक प्रभाग द्वारा राजस्थान इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में प्रशासकों के लिए अपनी शक्तियों के संतुलन द्वारा सफल प्रशासन विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें 150 उच्च अधिकारियों ने भाग लिया। प्रभाग की अध्यक्ष दिल्ली से पधारीं ओआरसी की निदेशिका बीके आशा दीदी ने कहा कि बैलेंस एक नेचुरल चीज है। नेचुरल चीज को मेंटेन करना बहुत आवश्यक है। हमारे पास सबसे बड़ी थॉट पावर है, बौद्धिक शक्ति, कर्मों की शक्ति हैं। मुख्यालय संयोजक बीके हरीश भाई, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सचिव समित शर्मा, सबजोन निदेशिका बीके पूनम दीदी मुख्य रूप से मौजूद रहीं।

शिव आमंत्रण, सदस्यता हेतु संपर्क करें-

वार्षिक मूल्य 150 रुपए तीन वर्ष 450 रुपए
आजीवन 3500 रुपए
मो 9414172596, 8521095678
Website www.shivamantran.com

पत्र व्यवहार का पता

संपादक ब्र.कु. कोमल
ब्रह्माकुमारीज़, शिव आमंत्रण ऑफिस, शांतिवन, आबू रोड, जिला- सिरोही, राजस्थान, पिन कोड- 307510
मो 8538970910, 9179018078
Email shivamantran@bkivv.org

For online transfer

A/C Name: Rajyoga Education & Research Foundation
A/C Number: 35401958118, IFSC Code: SBIN0010638
Bank & Branch: State Bank Of India, PBKIVV, Shantivan, Abu Road, Rajasthan
Note: On transfer please email details to: shivamantran.acct@bkivv.org, Helpline: 6377090960

Scan To Pay

25 बहनों ने अपनाई संयम की राह, कुमारी से बनीं ब्रह्माकुमारी

80 भाइयों ने किया दिव्य बुद्धि समर्पण

शिव आमंत्रण, ग्वालियर/मप्र।

ब्रह्माकुमारीज़ के मालनपुर स्थित गोल्डन वर्ल्ड रिट्रीट सेंटर में तीन दिवसीय अलौकिक समर्पण समारोह आयोजित किया गया। शिव स्वरूप की झांकी सजाकर शिव बारात निकाली गई। गुजरात अंबाबाड़ी से पधारीं महिला प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका बीके शारदा दीदी ने कहा कि वह माता-पिता बहुत भाग्यशाली हैं जिनके घर में लक्ष्मी, सरस्वती स्वरूपा बेटियों ने जन्म लिया। ऐसी बेटियां आज संयम के मार्ग पर चलते हुए विश्व सेवा में अपना जीवन समर्पित करने जा रही हैं। जोनल निदेशिका बीके अवधेश दीदी ने कहा कि परमात्मा के बताए मार्ग पर चलकर अपना जीवन सफल करना भाग्य की बात है। समारोह में छतरपुर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शैलजा दीदी, रीवा सेवाकेंद्र प्रभारी बीके निर्मला दीदी, मालनपुर की प्रभारी बीके ज्योति दीदी, ललितपुर प्रभारी बीके रेखा दीदी, सागर प्रभारी बीके छाया दीदी, बीना प्रभारी बीके सरोज दीदी, लश्कर प्रभारी बीके आदर्श दीदी व अन्य बहनें मौजूद रहीं।

प्रदेशभर से पहुंचे लोग

समारोह में 25 बेटियों ने अपना जीवन माता-पिता और परिजन की सहमति से संयम के मार्ग पर चलते हुए ईश्वरीय सेवा में अर्पण करने का संकल्प लिया। भोपाल जोन के बीके सतनाम, बीके आशीष, बीके नीलेश, बीके सनातन, बीके मुकेश, बीके महेश सहित 80 भाइयों का दिव्य बुद्धि समर्पण समारोह आयोजित किया गया। भोपाल के बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

शिव आमंत्रण, रीवा/मध्य प्रदेश। ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से चलाए जा रहे नशामुक्त भारत अभियान के तहत विश्व तंबाकू दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। सेवाकेंद्र संचालिका बीके निर्मला दीदी, बीके उमेश कुमार, बीके आरती दीदी, बीके शांति दीदी, दिव्य नगरी के संयोजक बीके आरबी पटेल, बीके प्रकाश भाई सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

शिव आमंत्रण, बिजलपुर/इंदौर। उपसेवाकेंद्र पर मातृ दिवस पर स्वस्थ एवं सुखी परिवार में माताओं की भूमिका विषय पर कार्यक्रम हुआ। इसमें परियोजना अधिकारी ममता चौधरी, सोनी समाज महिला प्रभाग की प्रदेश अध्यक्ष हीराबेन सोनी, मेडिकल ऑफिसर डॉ. नीलम कलपीवार, बीके शशी दीदी, बीके यश्वनी दीदी, बीके संगीता दीदी ने विचार व्यक्त किए।

शिव आमंत्रण, पन्ना (मप्र)। ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से नशा मुक्त भारत अभियान के तहत विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर नगर में रैली निकाली गई। रैली को एसपी धर्मराज मीणा और सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सीता ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सभी को व्यसनमुक्त होने की प्रतिज्ञा कराई गई। रैली नगर के प्रमुख मार्गों से निकाली गई।

शिव आमंत्रण, इंदौर। ब्रह्माकुमारीज़ के प्रेम नगर अनुभूति भवन सेवाकेंद्र द्वारा आरआर कैट में सेमीनार आयोजित किया गया। इसमें माउंट आबू से पधारे मोटिवेशनल स्पीकर बीके शक्तिराज सिंह ने मन, स्मृति और ध्यान का प्रबंधन विषय पर उद्बोधन दिया। वैज्ञानिक डॉ. गिरधर मूंदड़ा, डॉ. गुरविंदरजीत सिंह, बीके शशि दीदी व अन्य मौजूद रहे।

नेपाल के प्रधानमंत्री से की मुलाकात

शिव आमंत्रण,काठमांडू/नेपाल।

नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल (प्रचण्ड) से ब्रह्माकुमारीज काठमांडू की निदेशिका ब्रह्माकुमारी राज दीदी सहित संस्था के वरिष्ठ 10 सदस्यों की टीम ने मुलाकात की। इस दौरान प्रधानमंत्री को ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा नेपाल में हो रही विविध ईश्वरीय सेवा के विषय में अवगत कराया गया। साथ ही ब्रह्माकुमारीज़ मुख्यालय शान्तिवन में वाले ग्लोबल समिट का निमंत्रण पत्र भी भेंट किया गया। इस पर प्रधानमंत्री ने धन्यवाद देते हुए सम्मेलन में आने की इच्छा व्यक्त की। साथ ही देश में शांति, सद्भाव और असल नागरिक बनाने की संस्था की शिक्षा और सेवा की सराहना की। इस दौरान उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री पूर्ण बहादुर खड्का और विदेश मंत्री एनपी साउद से भी मुलाकात की।

सार समाचार

शिव आमंत्रण, खंडवा/मप्र। ब्रह्माकुमारीज़ के भाग्योदय भवन सेवाकेंद्र द्वारा गुरू गोविंद सिंह पार्क एलआईजी कॉलोनी में पांच दिवसीय समर कैंप का आयोजन किया गया। कैंप के समापन पर जिला शिक्षा अधिकारी पीएस सोलंकी, जीडीसी गर्ल्स कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार चौरे, संगीत महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सोनिया, मिश्रा हॉस्पिटल की संचालक डॉ. शकुन्तला मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार जय नागड़ा ने भाग लिया। सेवाकेंद्र संचालिका बीके शक्ति दीदी ने राजयोग का महत्व बताया।

शिव आमंत्रण, बरेली/उत्तर प्रदेश। ब्रह्माकुमारीज़ के चौपला सेवाकेंद्र पर मातृ दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बीके पारुल दीदी, बीके पार्वती दीदी, बीके नीता दीदी ने उपरोक्त विषय पर प्रकाश डाला। अतुल भाई व मोहित भाई ने गीत प्रस्तुत किए। इस अवसर पर भावना भल्ला, हरीश भल्ला, सुधा रानी, सुरेश रस्तोगी, अजीतभाई सहित अन्य मातृशक्ति मौजूद रहीं।

शिव आमंत्रण, भादरा/हनुमानगढ़/राजस्थान। सेवाकेंद्र पर मदर डे के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें प्रभारी बीके चंद्रकांता दीदी ने राजयोग का महत्व बताते हुए सभी से जीवन में इसे शामिल करने का आह्वान किया। इस मौके पर पार्षद अरुणा शर्मा, डॉक्टर संगीता पाल, लॉर्ड कृष्णा स्कूल प्रिंसिपल सुनीता चौबे, गवर्नमेंट स्कूल हेडमास्टर कृष्णा वर्मा, एएनएम संगीता सहित अन्य मातृ शक्तियां मौजूद रहीं।

शिव आमंत्रण, मिरजापुर/उत्तर प्रदेश। प्रभु उपहार भवन द्वारा मदर्स डे पर 'स्वास्थ्य एवं सुखी परिवार में माताओं की भूमिका' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सौ से अधिक नारी शक्ति का मुकुट पहनाकर सम्मान किया गया। ओपस इंटरनेशनल कॉलेज की डायरेक्टर डॉ. रितु दुआ, प्रियंका पांडे, डॉ. विभा वैद्य, प्लेवे स्कूल की डायरेक्टर जयश्री जैन मौजूद रहीं।

शिव आमंत्रण, रूपबास/भरतपुर/राजस्थान। सेवाकेंद्र पर मातृ दिवस पर खुशहाल महिला- खुशहाल परिवार कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें प्रभारी बीके बबीता दीदी ने उपरोक्त विषय पर प्रकाश डाला। अतिथि के रूप में नायब तहसीलदार रेनू चौधरी, गायत्री शक्तिपीठ अध्यक्ष गुड्डी बंसल, पूर्व प्रधान पुष्पा राजावत, एसके शिक्षा एवं सामाजिक विकास संस्थान सुरेंद्र कुमार, पुष्पा सिंह मुख्य रूप से मौजूद रहे। बीके गीता दीदी ने सभी को राजयोग मेडिटेशन की गहन अनुभूति कराई।

नशा मुक्त समाज बनाने में राजयोग की अहम भूमिका: बीके माधुरी दीदी

शिव आमंत्रण, अलीराजपुर (मप्र)।

नशे से हमारे मस्तिष्क में डोपामाइन केमिकल रिलीज होता है जो आनंद की अनुभूति कराता है और उसी अनुभूति को बार-बार करने के लिए व्यक्ति धूम्रपान की लत का शिकार हो जाता है। लेकिन राजयोग मेडिटेशन के नियमित प्रयोग से गंभीर से गंभीर नशे की लत दूर हो जाती है। ऐसे एक नहीं बल्कि लाखों लोग उदाहरण हैं जो संस्था द्वारा सिखाए जाने वाले राजयोग से आज पूरी तरह से नशामुक्त हैं।

यह विचार ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र की संचालिका माधुरी दीदी ने व्यक्त किए। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर नशा मुक्त समाज बनाने में राजयोग की अहम भूमिका विषय पर सेमीनार आयोजित किया गया। क्षय रोग विशेषज्ञ डॉ. संतोष सोलंकी ने बताया कि एक स्वस्थ शरीर में मन की बहुत सारी अवस्थाएं होती हैं, जैसे क्रोध, चिंता, तनाव, हंसना इत्यादि। लेकिन जब किसी व्यक्ति में किसी भी चीज की अतिश्योक्ति होती है तो वह रोग का कारण बनता है।

इंदौर से पधारे धार्मिक प्रभाग के क्षेत्रीय समन्वयक बीके नारायण भाई ने कहा कि आनंद की अनुभूति के लिए हमें इन व्यसनों की आवश्यकता नहीं है। अध्यात्मिकता के द्वारा मेडिटेशन से भी हम इन गुणों की अनुभूति कर सकते हैं, जिससे हमारी कर्म इंद्रियां संतुलित रहती हैं। राजयोग के अभ्यास से एंडोर्फिस हार्मोन स्रावित होते हैं जिससे हम आनंद की अनुभूति करने लगते हैं उससे हम अनेक व्यसनों से मुक्त हो जाते हैं। शरीर भी स्वस्थ रहता है और जीवन में सदा आनंद और कार्य में रुचि बनी रहती है। डॉ. कैलाश चंद्र गुप्ता, वरिष्ठ एडवोकेट रमण सिंह सोलंकी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। समाजसेवी मदन पोरवाल ने बताया कि राजयोग के अभ्यास से पूर्व मैं तंबाकू का सेवन 20 वर्षों से करता था। राजयोग के अभ्यास से पूर्ण रूप से नशामुक्त हो गया हूं। संचालन बीके ज्योति बहन ने किया। समापन पर सभी को आनंद की अनुभूति राजयोग के द्वारा कराई गई।

शिव आमंत्रण, करेली (मप्र)। ब्रह्माकुमारीज के मेडिकल विंग द्वारा चलाए जा रहे नशामुक्त भारत अभियान के तहत शासकीय चिकित्सालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके पूर्व प्रभु उपहार भवन से नशे के खिलाफ जन जागरूकता रैली निकाली गई। सभा में बीके प्रीति दीदी, बीएमओ डॉ. अदिति ध्रुवे, नपा उपाध्यक्ष अनीता नेमा, महिला मोर्चा से प्रज्ञा लूनावत, पार्षद राजकुमारी सोनी, पार्षद संगीता शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहीं।

शिव आमंत्रण, सोनीपत/हरियाणा। सोनीपत रिट्रीट सेंटर में ऋषिहुड विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इसमें डीआरडीओ में एसोसिएट डायरेक्टर सुशील चंदा, बीके एकता दीदी, रिट्रीट सेंटर की डायरेक्टर बीके लक्ष्मी दीदी ने तनाव मुक्त जीवन, आंतरिक गुणों का विकास, अपने लक्ष्य को श्रेष्ठ कैसे बनाएं और मेडिटेशन को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं आदि विषयों पर संबोधित किया।

शिव आमंत्रण,भरतपुर/राजस्थान। सेवाकेंद्र पर मातृ दिवस पर कार्यक्रम में आयोजित किया गया। इसमें बीके प्रवीणा बहन, बीके जागृति बहन, बीके भारत माता, बीके नीरू बहन, बीके प्रेम बहिन ने अपने विचार व्यक्त किए। अतिथि के रूप में डिस्टिक लेडीज क्लब अध्यक्ष मंजू सिंघल, किरण सैनी, वीना लोहिया, संजू बहन मौजूद रहीं। समापन पर सभी को राजयोग मेडिटेशन से गहन शांति की अनुभूति कराई गई।

शिव आमंत्रण, अम्बिकापुर (छग)। राष्ट्रीय तम्बाकू दिवस पर नशा मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत नव विश्व भवन चोपड़ापारा द्वारा केन्द्रीय जेल एवं न्यू बस स्टैण्ड पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही नशामुक्त मोटर साइकिल रैली निकाली गई। सेवाकेन्द्र संचालिका बीके विद्या दीदी, एएसपी विवेक शुक्ला, अ. एएसपी महालक्ष्मी बहन, समाजसेविका वंदना दत्ता, डॉ. शैलेन्द्र गुप्ता मौजूद रहे। बीके मंजू दीदी ने नशामुक्ति का संकल्प कराया।

अभी सभी शास्त्रों अनुसार धर्म ग्लानि का समय चल रहा है

हर्ख, बेगूसराय/बिहार। ब्रह्माकुमारीज प्रभु पसंद पिपरा रोड बेगूसराय द्वारा चार दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत गीता ज्ञानयज्ञ आयोजित किया गया।

कथावाचिका राजयोगिनी कंचन दीदी को सुनने के लिए लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय सभी शास्त्रों के अनुसार दुनिया में धर्म ग्लानि का समय चल रहा है। अभी कलयुग बच्चा नहीं थोड़ा बचा है। महाभारत में वर्णित सभी हालात और पात्र अभी समाज में दिखाई दे रहे हैं।

नई राहें

बीके पुष्पेन्द्र
संयुक्त संपादक, शिव आमंत्रण

कल्पना और सृजन

शिव आमंत्रण, आबू रोड (राजस्थान)। कल्पना की दुनिया विशाल और अनंत है। दुनिया में जितने भी आविष्कार हुए हैं सभी कल्पना शक्ति की ही देन हैं। सबसे पहले सृजन का विचार मन में आता है और मन, बुद्धि बल के सहयोग से उसे कल्पना के रूप में आकार देता है। बिना कल्पना किए सृजन संभव नहीं है। वर्तमान में साइंस के साधन और भौतिकता की तमाम चीजें कल्पना शक्ति का ही परिणाम हैं। जिसकी कल्पनाशक्ति जितनी वृहद और व्यापक होती है वह उस क्षेत्र में विलक्षण, अद्वितीय प्रतिभा का धनी होता है। लेखक, कवि, गायक, चित्रकार, वैज्ञानिक की कल्पना शक्ति और सृजनशीलता ही उसे महान बनाती है। यह विधाएं कल्पना से जुड़ी हुई हैं। मन में उत्पन्न होने वाले सकारात्मक या नकारात्मक विचारों के आधार पर ही हमारे जीवन की क्वालिटी निर्भर करती है। यह मायने नहीं रखता है कि हम आज क्या हैं, मायने यह रखता है कि हम अपने प्रति, जीवन के प्रति, परिवार और समाज के प्रति कैसी कल्पना करते हैं और बनाए हुए हैं।

जीवन के प्रति हो सकारात्मक दृष्टिकोण...

हम समाज में देखते हैं कि कुछ लोग जीवनभर अपनी परेशानी का रोना रोते रहते हैं। भले वह आर्थिक, शारीरिक रूप से शक्ति संपन्न हों लेकिन उनके मन में हमेशा ग्लानि, हीनता, कमजोरी और परेशानी के विचार होते हैं। उन्हीं विचारों के चलते वह सर्व समर्थ होने के बाद भी सदा चिंतित बने रहते हैं। इसमें उनकी कल्पनाशक्ति के नकारात्मक दिशा में करने के चलते होता है। दरअसल वह खुद की छवि को ही नकारात्मक बनाकर रखते हैं। फिर उसी छवि के कारण सबकुछ होने के बाद भी उन्हें परेशानी नजर आती है। वहीं दूसरे वह लोग भी होते हैं जो आर्थिक रूप से कमजोर होने के बाद भी रहन-सहन, विचार महान और समृद्ध लोगों की तरह होते हैं। क्योंकि उन्होंने अपने मन में कल्पना शक्ति को सकारात्मक दिशा में लगाया होता है। वह सदा आशावादी रहते हैं और संतुष्टता का भाव रखते हैं। जो मिला है उसे ईश्वर की अमानत समझकर चलते हैं।

कल्पना शक्ति दिलाएगी मनचाही सफलता...

यदि आपसे कहा जाए कि नींबू के स्वाद की कल्पना कीजिए तो एक पल में नींबू का खट्टापन महसूस हो जाता है, क्योंकि हमने उसका स्वाद चखा है। मन में नींबू की छवि उत्पन्न हो जाती है। इसी तरह हम खुद को जिस क्षेत्र में सफल व्यक्ति के रूप में देखना चाहते हैं उसकी रोज, प्रतिपल कल्पना करें। खुद को उस मुकाम पर देखें और वैसा ही महसूस करें। परमात्मा पिता, प्रकृति, परिवार और समाज के प्रति आभारी रहें। मुझे सफल बनाने में आपके अमूल्य सहयोग का धन्यवाद। आप देखेंगे कि कुछ ही दिनों में आप वैसे बनने लगेंगे। क्योंकि आपने अपनी कल्पनाशक्ति और बुद्धि बल से अंतर्मन में उस छवि को बिठा लिया है। यही छवि आपको सफलता के मुकाम पर ले जाएगी। यह कल्पना आपकी योगी-तपस्वी बनने की हो सकती है, उद्योगपति, आईएएस या कुछ और। जरूरत है तो कल्पनाशक्ति के सही और समुचित उपयोग करने की। यदि हम अच्छा बनने, जीवन में कुछ नया करने की मन में कल्पना ही नहीं करेंगे तो उसे पूरा करने का भी नहीं सोचेंगे। ऐसा क्यों होता है कि एक बेटा अपनी मां से कोसों दूर होता है जब कभी वह किसी परेशानी में होता है तो मां को आभास हो जाता है। क्योंकि मां की अपने बेटे के प्रति सदा शुभ और कल्याण की भावना होने से बेटे के बाइब्रेशन, उसकी सोच मां की कल्पनाशक्ति के आधार पर महसूस हो जाती है। प्रकृति के बीच रहने, जीवन के प्रति सकारात्मक और आशावादी दृष्टिकोण रखने, रोज अच्छा साहित्य पढ़ने और ध्यान से कल्पनाशक्ति का सकारात्मक दिशा में विकसित किया जा सकता है।

अध्यात्म का ताना-बाना कल्पनाशीलता पर आधारित...

अध्यात्म का ताना-बाना कल्पनाशीलता पर ही आधारित है। आप अपने ज्ञान, अनुभव और बुद्धि बल के आधार पर कैसा महसूस करते हैं यह तय करता है कि आप अध्यात्म की किस अवस्था में हैं। वैज्ञानिकों ने भी माना है कि ध्यान की अवस्था में सबसे ज्यादा कल्पना शक्ति का विकास होता है। इसमें राजयोग मेडिटेशन अहम भूमिका निभाता है। राजयोग मेडिटेशन में हम मन में श्रेष्ठ और महान विचारों की कल्पना करते हैं और उन्हें बुद्धि बल से आकार देते हैं। साथ ही वैसा ही महसूस करते हैं जैसा कि हमने अपनी कल्पना में उन महान विचारों को जन्म दिया था। जब यह अभ्यास लंबे काल का हो जाता है तो हमारी कल्पना, शक्ति का रूप ले लेती है और व्यक्तित्व को उसी अनुरूप सृजित करने लगती है। यह पूरी प्रक्रिया के तहत होता है। क्योंकि जब तक मन में महान बनने के लिए महान विचार नहीं करेंगे, खुद की छवि को इस सृष्टि रूपी रंगमंच पर महान रूप में नहीं देखेंगे तो महान कर्म के प्रयास भी नहीं करेंगे।

वर्तमान में सृष्टि के महापरिवर्तन का यह संधि काल संगमयुग चल रहा है। परमपिता परमात्मा इस धरा पर अवतरित होकर सहज राजयोग की शिक्षा दे रहे हैं। परमात्मा कहते हैं तुम मेरी संतान हो, मेरे लाडले, सिकीलधे बच्चे हो। सर्वशक्तिवान की संतान मास्टर सर्वशक्तिमान हो। भगवान हमें इतना ऊंचा और श्रेष्ठ स्वमान दिलाते हैं। यही कारण है कि परमात्म ऊर्जा, परमात्म शक्ति समाहित होने और राजयोग के सतत, नियमित अभ्यास से व्यक्तित्व में चार चांद लग जाते हैं। निखर जाता है, दिव्य बन जाता है क्योंकि राजयोगी का चिंतन सदा श्रेष्ठ और महान बनने की दिशा में अनवरत चलता रहता है। इसलिए राजयोग को राज पद दिलाना वाला योग भी कहते हैं क्योंकि आत्मा निखरकर देव स्वरूप बन जाती है।

जीवन प्रबंधन

राजयोगिनी बीके शिवानी दीदी, अंतरराष्ट्रीय प्रेरक वक्ता, गुरुग्राम, हरियाणा

अध्यात्मिक शिक्षा एक संस्कार है जो परिवार की संस्कृति बनाता है

शिव आमंत्रण, आबू रोड (राजस्थान)।

हम ज्ञान की बहुत गहराईयों को चात्रक होकर अपने अन्दर भरते जा रहे हैं। जब हम शिक्षा शब्द सुनते हैं तो हमें लगता है ये तो स्कूल-कॉलेज के बच्चों के लिए है। लेकिन जो अध्यात्मिक शिक्षा है वो किसके लिए है? अध्यात्मिक शिक्षा की आवश्यकता केवल बच्चों को ही नहीं अपितु उनके माता-पिता और शिक्षकों को भी है। अध्यात्मिक शिक्षा एक संस्कार है

जो परिवार की संस्कृति बनाता है और जब हर परिवार की संस्कृति बनेगी तब ही ये संसार अच्छा बनेगा। तीन शब्द बहुत महत्त्वपूर्ण हैं संस्कार, संस्कृति और संसार।

हमारे विचार ही हमारी भावनाओं का निर्माण करते हैं और भावनाओं से हमारा मानसिक स्वास्थ्य बनता है। शरीर को ऊर्जा विचारों से मिलती है। जिस तरह की ऊर्जा हम शरीर को देंगे वैसा ही हमारा स्वास्थ्य बनेगा। अच्छे स्वास्थ्य के लिए अच्छे खान-पान, व्यायाम और नींद के साथ-साथ शुद्ध विचार भी आवश्यक हैं। शुद्ध विचारों से ही वायुमंडल व प्रकृति शुद्ध बनती है।

राजयोग से विचार बनते हैं शुद्ध-

राजयोग के अभ्यास से ही हम अपने विचारों को शुद्ध बना सकते हैं। इसके लिए हमें प्रतिदिन अपनी दिनचर्या से समय निकालकर राजयोग का अभ्यास करना बहुत जरूरी है। राजयोग से हमारे मन को सकारात्मक ऊर्जा मिलती है जो हमारे चारों ओर फैलती है। विचारों की सकारात्मकता ही हमारे आपसी संबंधों को मधुर बनाती है। विचारों की गति प्रकाश व आवाज से भी तीव्र होती है। हमारे विचारों का संबंधों पर गहरा प्रभाव पड़ता है। यही कारण है कि आज के समय में संबंधों को निभाने में हमें बहुत मेहनत करनी पड़ती है। संबंध बोल, कर्म या व्यवहार से नहीं अपितु हमारे एक-दूसरे के प्रति विचारों से बनते हैं। यदि हम विचारों को श्रेष्ठ बना लेते हैं तो रिश्तों में मिठास स्वतः ही आ जाएगी।

मनोस्थिति के आधार पर ही बनता है घर का वायुमंडल

परिवार में रहने वाले सदस्यों की मनोस्थिति के आधार पर ही घर का वायुमंडल बनता है। घर बड़ा और सुंदर बनाने के साथ-साथ घर का वायुमंडल भी सुंदर बनाने की आवश्यकता है ताकि बाहर से कोई परेशान व्यक्ति अंदर आए तो उसके मन को शांति की अनुभूति हो। जैसे मंदिर का वातावरण दिव्य तथा अलौकिक होता है वैसे ही हमारे घर का वातावरण भी दिव्य तथा अलौकिक बन जाए। घर एक मंदिर ये कहावत वास्तविकता बन जाए। नई पीढ़ी को आर्थिक रुप से संपन्न बनाने के साथ-साथ नैतिक मूल्यों से भी संपन्न बनाने की आवश्यकता है। अध्यात्मिकता हमें सिखाती है कि संस्कार से ही संसार का निर्माण होता है। संसार को श्रेष्ठ बनाने के लिए आत्मिक जाग्रति बहुत आवश्यक है। अध्यात्मिक शिक्षा से ही आत्मिक जाग्रती संभव है। दिनभर जो हम देखते हैं, पढ़ते हैं अथवा सुनते हैं वैसे ही हमारे विचार बनते हैं। ध्यान रहे कि मोबाइल फोन या टीवी के माध्यम से कुछ भी ऐसा ना देखें जो हमारे विचारों को दूषित करे। हमारे विचार ही हमारे भाग्य की नींव रखते हैं। ऐसी कोई भी सामग्री जिसमें काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार समाया हो उसका परहेज करना है। ये पांचों विकार हमारी आत्मा की शक्ति को क्षीण करते हैं।

कोई भी चित्र, गाना, मूवी या नाटक जिसमें ये विकार भरपूर हैं यदि हम हर रोज इनको देखते हैं तो हमारे संस्कार भी वैसे ही बन जाते हैं। इन सबसे बचने का एकमात्र उपाय अध्यात्मिक शिक्षा ही है। जब हम अध्यात्मिकता के मार्ग पर चलते हैं तो हमारे अंदर खुशी, पवित्रता, प्यार, आनंद, एकता, करुणा आदि गुण समाने लगते हैं। आज भौतिक युग में धन कमाना ही हमारा एकमात्र लक्ष्य बन गया है। जो जितना धनवान उसको उतना ही सफल माना जाता है। धन से हम भौतिक सुख-सुविधाओं के साधन तो खरीद सकते हैं लकिन सच्ची खुशी और मन की शांति नहीं। आधुनिक शिक्षा हमें सिर्फ धन कमाना सीखा सकती है जबकि अध्यात्मिक शिक्षा हमें धन कमाने की सही विधि सिखाती है।

शिव आमंत्रण, वेनेजुएला/ दक्षिणी अमरीका। भारत के राजदूत अभिषेक सिंह से ब्रह्माकुमारी बहनों ने मुलाकात की। उन्होंने कहा कि वह ब्रह्माकुमारीज़ के प्रति बहुत सम्मान रखते हैं। मेरी पत्नी सिस्टर शिवानी के व्याख्यानों को सुनती हैं और उनका पालन करती हैं। उन्होंने राजयोग मेडिटेशन के बारे में गहराई से जानने की इच्छा जताई।

शिव आमंत्रण, सेंट पीटर्सबर्ग, रूस। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर विनम्रता की संस्कृति विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें माउंट आबू, राजस्थान, गुजरात, लखनऊ से आए 23 वरिष्ठ भाई-बहनों ने विशेष रूप से भाग लिया। निदेशिका बीके संतोष दीदी ने सभी का चुनरी, मुकुट के द्वारा विशेष सम्मान किया। सभी ने अपने अनुभव से लाभांवित किया।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि से की मुलाकात

शिव आमंत्रण, न्यूयार्क (यूएन)।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत रुचिरा कंबोज से यूरोप में ब्रह्माकुमारीज़ की निदेशिका व अंतरराष्ट्रीय अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका बीके जयंती दीदी ने मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने संस्थान द्वारा की जा रही सेवाओं और राजयोग मेडिटेशन के बारे में बताया। संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक संगठन के प्रमुख रामू दामोदरन भी मौजूद रहे।

विदेश समाचार

शिव आमंत्रण, शंघाई/चीन। शंघाई में रहने वाले प्रतिष्ठित भारतीयों के संगठन इंडियन एसोसिएशन शंघाई द्वारा वार्षिक आयोजन किया गया। इसमें ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से बीके सिस्टर सपना दीदी ने भाग लिया और अपने संबोधन में उन्होंने जीवन में अध्यात्मिक ज्ञान व राजयोग मेडिटेशन अपनाने की सलाह दी। समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। बीके सिस्टर रोज भी मौजूद रहीं।

शिव आमंत्रण, इंग्लैंड। इंग्लैंड के ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के टाउन हॉल में भारत के प्राचीन राजयोग का प्रसार-प्रचार करने के लिए डॉ. बीके दीपक हरके को आरटीक्यूलेट कंपनी के संस्थापक पॉल एवान्स ने एजुकेशन लीडर्स अवॉर्ड्स-2023 से सन्मानित किया। इस दौरान लंदन के ग्लोबल को-ऑपरेशन हाउस से ब्रह्माकुमारी जैमिनी दीदी भी मौजूद रहीं।

शिव आमंत्रण, सिलिकॉन वैली/अमेरिका। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा सिलिकॉन वैली में ग्रीष्मकालीन उत्सव माया बाज़ार में स्टाल लगाया गया। इसमें बच्चों को अपनी मां के गुणों को साझा करने और व्यक्तिगत कार्ड बनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस बीच, माता-पिता को संगठन के बारे में जानने और केंद्र में दी जाने वाली विभिन्न कक्षाओं और कार्यक्रमों की खोज करने का अवसर मिला।

शिव आमंत्रण, शंघाई/चीन। भारत द्वारा तीरंदाजी में दो स्वर्ण और एक कांस्य जीतने के बाद प्रथमेश जवाकर, अवनीत कौर, ओजस देवताले और ज्योति सुरेखा ने ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पहुंचकर बीके रोज बहन और बीके ईवा बहन से मुलाकात की। इस दौरान बीके बहनों की ओर से विजेता खिलाड़ियों का सम्मान किया गया और राजयोग मेडिटेशन के बारे में बताया।

शिव आमंत्रण, ब्रेस्ट, बेलारूस। मास्को से बीके डॉ. अलेक्सी के पहुंचने पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस दौरान उन्होंने शहर में ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़े सदस्यों से मुलाकात की। बता दें कि इस शहर में संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी गुलजार, राजयोगी बीके जगदीश भाई, बीके चक्रधारी दीदी, बीके सुधा दीदी, बीके संतोष दीदी ने भी यहां सेवाएं दी हैं।

■ RNI No.: RAJHIN/2013/53539, Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2021-23. Posting at Shantivan- 307510 (Abu Road)
Licensed to Post without pre-payment No. RJ/WR/WPP/18/2021-23, Posting on 17 to 20 of Each Month, Published on 14 June 2023
■ स्वामीः राजयोगा एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन ■ प्रकाशक, संपादक व मुद्रक : ब्र.कु. कोमल द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड भास्कार प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं शिव आमंत्रण, ब्रह्माकुमारीज़ शांतिवन, आबू रोड, राजस्थान से प्रकाशित ■ संयुक्त संपादकः ब्र.कु. पुष्पेन्द्र